■ पौष शुक्ल - 4 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 160 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 03-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'इंडि' गठबंधन में शामिल होने के सवाल पर नीतीश कुमार का गोलमोल जवाब

6 अपनों के निशाने पर कांग्रेस पार्टी

7 शाहिद कपूर की फिल्म देवा का फर्स्ट पोस्टर रिलीज

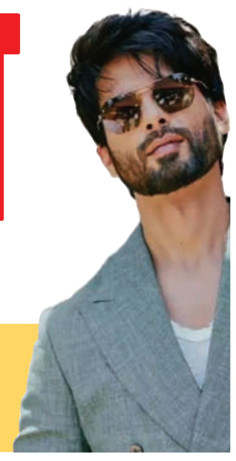

फर्स्ट टेक

भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति बहाल करने की संभावना तलाश रहा ईरान

नई दिल्ली/भाषा। ईरान द्वारा भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति फिर से शुरू करने के तरीकों पर विचार किया जा रहा है। वह चाबहार बंदरगाह के जरिये पेट्रो-रसायन समेत समग्र कारोबार का विस्तार करने का इच्छुक है। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। ईरानी अधिकारी ने यहां संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा कि आगामी डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन में ईरान के प्रति व्यवहार पहले कार्यकाल की तरह रहने की संभावना नहीं है क्योंकि चीन के रणनीतिक ताकत बढ़ाने के साथ वैश्विक भू-राजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। ईरानी कच्चे तेल की भारत को आपूर्ति दोबारा शुरू करने की वकालत करते हुए इस अधिकारी ने कहा कि दोनों पक्षों को एक रास्ता खोजने की ज़रूरत है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय इस महीने तीन सर्वेक्षण शुरू करेगा

नई दिल्ली/भाषा। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) जनवरी में तीन सर्वेक्षण शुरू करेगा। इनमें सामाजिक उपभोग-स्वास्थ्य पर सर्वेक्षण (जनवरी से दिसंबर 2025), व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण-दूरसंचार और आईसीटी कौशल (जनवरी से मार्च), और शिक्षा (अप्रैल से जून) शामिल है। यह एनएसएस का सर्वे का 80वां दौर है। अन्य सर्वेक्षण... निश्चित अवधि पर होने वाला श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) (जनवरी-दिसंबर) और अनिगमित यानी कंपनी के रूप गठित नहीं हुए उद्यम पर वार्षिक सर्वेक्षण (जनवरी-दिसंबर 2025)...हैं।

भूकंप प्रभावित वानुअतु को पांच लाख डॉलर की सहायता देगा भारत

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने प्रशांत द्वीपीय देश वानुअतु को पिछले महीने आए 7.4 तीव्रता वाले भूकंप से हुई तबाही से निपटने में मदद के लिए बृहस्पतिवार को 5 लाख अमेरिकी डॉलर की सहायता की घोषणा की। नई दिल्ली ने वानुअतु को इस मुश्किल समय में देश के लोगों को हर संभव सहायता देने की अपनी तत्परता से अवगत कराया। दक्षिण प्रशांत महासागर में वानुअतु के तट के पास 17 दिसंबर को आए भूकंप से भारी तबाही और जान-माल की हानि हुई। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा, भारत-प्रशांत द्वीपीय सहयोग मंच के तहत एक करीबी मित्र और साझेदार के रूप में तथा वानुअतु के मैत्रीपूर्ण लोगों के साथ एकजुटता के संकेत के रूप में, भारत सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण प्रयासों का समर्थन करने के लिए 500,000 अमेरिकी डॉलर की राहत सहायता प्रदान करती है।

सूर्यास्त 03-01-2025 6:05 बजे | सूर्योदय 04-01-2025 6:43 बजे

BSE	NSE
79,943.71	24,188.65
(+1,436.30)	(+445.75)

सोना	चांदी
8,014 रु.	91,295 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शीत लहर

लो खत्म चुनावी गर्मी फिर,
आई उत्तर से शीत लहर।
ठिठुरे जंगल,पर्वत,तड़ाग,
हर गांव-गांव व शहर-शहर।
भर डाला मौसम में कितना,
किसने अमृत या तेज जहर।
परिणाम दिखायेंगे तब कहना,
मेहर हुई या हुआ कहर।।

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने किया फैसला

15 प्रतिशत बढ़ेगा बस किराया

■ केएसआरटीसी, एनडब्ल्यूकेआरटीसी, केकेआरटीसी, बीएमटीसी के बस किराये में 15 प्रतिशत की वृद्धि करने का निर्णय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार के स्वामित्व वाले परिवहन निगमों के बस किराये में 15 प्रतिशत की वृद्धि करने का निर्णय लिया।

कर्नाटक के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल ने कहा कि ईंधन की कीमतों और कर्मचारियों पर खर्च में वृद्धि जैसी परिचालन लागत में भारी बढ़ोतरी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

पाटिल ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मंत्रिमंडल ने चार राज्य परिवहन निगमों- कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी), उत्तर पश्चिम कर्नाटक सड़क परिवहन निगम (एनडब्ल्यूकेआरटीसी), कल्याण कर्नाटक सड़क परिवहन निगम (केकेआरटीसी) और बेंगलूरु महानगर परिवहन निगम (बीएमटीसी) के बस किराये में 15 प्रतिशत की वृद्धि करने का निर्णय लिया है।''

मंत्री ने कहा कि यह निर्णय पांच जनवरी से लागू होगा। उन्होंने कहा कि बीएमटीसी का बस किराया 10 जनवरी, 2015 को बढ़ाया गया था जब डीजल की कीमत 60.90 रुपए प्रति लीटर थी।

पाटिल ने बढ़ोतरी को उचित ठहराते हुए कहा, ''चारों निगमों की रोजाना डीजल खपत 10 साल पहले 9.16 करोड़ रुपए थी, जो अब बढ़कर 13.21 करोड़ रुपए हो गई है। इन चारों निगमों में कर्मचारियों पर प्रतिदिन 12.95 करोड़ रुपए का खर्च होता था, जो बढ़कर 18.36 करोड़ रुपए प्रतिदिन हो गया है। इसलिए संशोधन जरूरी था।''

2025 रक्षा सुधारों का वर्ष होगा:

उद्देश्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा डीआरडीओ : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सेना को तकनीकी रूप से उन्नत बल में बदलने के उद्देश्य से भारत द्वारा 2025 को 'रक्षा सुधारों का वर्ष' घोषित करने के एक दिन बाद, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि डीआरडीओ निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने में ''महत्वपूर्ण भूमिका'' निभाएगा।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सिंह ने यहां रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के मुख्यालय का दौरा किया और इसके 67वें स्थापना दिवस के मौके पर वरिष्ठ वैज्ञानिकों और विभिन्न अधिकारियों के साथ बातचीत की। उन्होंने डीआरडीओ से तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र के साथ तालमेल बैठाते हुए आगे बढ़ने और बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप उत्पाद तैयार करने का आह्वान किया।

रक्षा मंत्री ने 2025 को 'सुधारों का वर्ष' घोषित किए जाने पर कहा कि डीआरडीओ निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भारत ने बुधवार को 2025 को रक्षा सुधारों का वर्ष घोषित किया था और कहा था कि इसका उद्देश्य सेना के तीनों अंगों के बीच तालमेल बढ़ाने के लिए एकीकृत सैन्य कमान शुरू करना तथा सेना को तकनीकी रूप से उन्नत और युद्ध के लिए तैयार बल में बदलना है।

रक्षा मंत्रालय ने जिन सुधारों की योजना बनाई है उनका व्यापक उद्देश्य रक्षा अधिग्रहण प्रक्रियाओं को सरल और समयबद्ध बनाना, प्रमुख हितधारकों के बीच गहन सहयोग सुनिश्चित करना, बाधाओं को दूर करना, अक्षमताओं को समाप्त करना और संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करना है।

अनुच्छेद-370 ने कश्मीर में अलगाववाद के बीज बोये : शाह

■ मोदी सरकार ने आतंकवाद का खात्मा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि अनुच्छेद-370 ने कश्मीर के युवाओं के मन में अलगाववाद के बीज बोये और नरेन्द्र मोदी सरकार ने घाटी में न केवल आतंकवाद का, बल्कि आतंकवाद के पूरे ढांचे का भी खात्मा कर दिया।

शाह ने कहा कि अनुच्छेद-370 और अनुच्छेद-35ए, दोनों को पांच अगस्त, 2019 को निरस्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि ये दोनों कश्मीर के भारत में पूर्ण एकीकरण के रास्ते में प्रमुख बाधाएं थीं।

कश्मीर के शेष भारत के साथ संबंधों का जिक्र करते हुए गृहमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जो भू-सांस्कृतिक है और जिसकी सीमाएं उसकी संस्कृति से बनती हैं।

शाह ने यहां 'जम्मू एंड कश्मीर एंड लद्दाख : थ्रू द एजेस' नामक पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि भारत को केवल भारतीय परिप्रेक्ष्य से ही समझा जा सकता है, भू-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य से नहीं। उन्होंने कहा कि 'सिल्क रूट' से लेकर मध्य एशिया तक और शंकराचार्य मंदिर से लेकर हेमिस मठ तक; तथा व्यापार से लेकर अध्यात्म तक, दोनों का मजबूत आधार कश्मीर की संस्कृति में मौजूद है।

शाह ने कहा कि अनुच्छेद-370 ने यह गलत धारणा दी कि कश्मीर का भारत के साथ एकीकरण अस्थायी है। उन्होंने कहा, ''कई लोग मुझसे अक्सर पूछते हैं कि अनुच्छेद-370 और आतंकवाद के बीच क्या संबंध है। वे नहीं जानते कि अनुच्छेद-370 ने घाटी के युवाओं के मन में अलगाववाद के बीज बोए थे।''

शाह ने कहा, ''देश के कई अन्य हिस्सों में मुस्लिम आबादी है। वे क्षेत्र आतंकवाद से प्रभावित क्यों नहीं हैं?''

गृहमंत्री ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि कश्मीर पाकिस्तान की सीमा के करीब है, इसलिए यहां समस्या आई। उन्होंने सवाल किया, ''लेकिन गुजरात भी पाकिस्तान की सीमा के करीब है। राजस्थान भी पाकिस्तान की सीमा के करीब है। वहां आतंकवाद क्यों नहीं पनपा?''

शाह ने कहा कि अनुच्छेद-370 ने यह गलत धारणा दी कि कश्मीर का भारत के साथ एकीकरण अस्थायी है और इसने अलगाववाद के बीज बोये, जो बाद में आतंकवाद में बदल गए।

गृहमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से कश्मीर में आतंकवाद के कारण 40,000 से अधिक लोगों की जान चली गई। उन्होंने कहा, ''मोदी सरकार ने कश्मीर में न केवल आतंकवाद को, बल्कि आतंकवाद के ढांचे को भी खत्म किया।''

ब्रह्मपुत्र के जरिए चल रही है चीनी साजिश, जवाब दें मोदी : कांग्रेस

नई दिल्ली/एजेन्सी। कांग्रेस ने कहा कि चीन भारत के खिलाफ एक बार फिर साजिश रच रहा है और पूर्वोत्तर राज्यों की लाइफलाइन ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बना रहा है, इसके बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश को जवाब देना चाहिए। कांग्रेस ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा है कि ब्रह्मपुत्र नदी पर बनाए जा रहे इस बांध के कारण चीन का नदी के बहाव पर पूरी तरह से कब्जा हो जाएगा। चीन इस बांध का इस्तेमाल भारत के खिलाफ 'वाटर बम' की तरह कर सकेगा। पार्टी ने अपने आधिकारिक पेज पर ट्वीट किया चीन इस बांध के जरिए बड़ी मात्रा में पानी छोड़कर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ ला सकता है। वहीं, ब्रह्मपुत्र नदी का पानी रोककर, पूर्वोतर राज्यों में सूखे जैसे हालात पैदा कर सकता है और इससे वह पूर्वोत्तर राज्यों की सिंचाई और बिजली उत्पादन पर भी असर डाल सकेगा। कांग्रेस ने सवाल किया, मोदी सरकार इस गंभीर खतरे पर खामोश क्यों है।

ओएनडीसी से छोटे व्यवसायों को बल, ई-कॉमर्स में क्रांति : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने और ई-कॉमर्स में क्रांति लाने में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तत्वावधान में विकसित खुले ऑनलाइन मंच- ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कामर्स (ओएनडीसी) के योगदान का उल्लेख करते हुए गुरुवार को कहा कि यह विकास और समृद्धि को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वणिज्य एवं उद्योगमंत्री पीयूष गोयल की ओएनडीसी के बारे में सोशल मीडिया मंच एक्स पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मोदी ने लिखा, ओएनडीसी ने छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने और ई-कॉमर्स में क्रांति लाने में योगदान दिया है। इस तरह से विकास और समृद्धि को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

गोयल ने लिखा, मोदी सरकार ने भारत में ई-कॉमर्स को लोकतांत्रिक बनाने के उद्देश्य से 2021 में इसे लॉन्च किया था। पिछले तीन वर्षों में, इसने न केवल कई उपलब्धियां हासिल की हैं, बल्कि नेटवर्क पर उनके लिए समान अवसर बनाकर व्यवसायों, विशेष रूप से छोटे उद्यमों को सशक्त भी बनाया है।

40 साल बाद, भोपाल की यूनियन कार्बाइड कारखाने से जहरीला कचरा निपटान के लिए ले जाया गया

■ बुधवार रात करीब नौ बजे जहरीले कचरे को 12 सीलबंद कंटेनर ट्रकों में 'ग्रीन कॉरिडोर' के जरिए मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से 250 किलोमीटर दूर धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में ले जाया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धार (मध्य प्रदेश)/भाषा। भोपाल गैस त्रासदी के चालीस साल बाद, बंद हो चुके यूनियन कार्बाइड कारखाने से 377 टन खतरनाक कचरे को निपटान के लिए धार जिले में स्थित पीथमपुर की एक इकाई में ले जाया गया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

बुधवार रात करीब नौ बजे जहरीले कचरे को 12 सीलबंद कंटेनर ट्रकों में 'ग्रीन कॉरिडोर' के जरिए मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से 250 किलोमीटर दूर धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में ले जाया गया।

धार के पुलिस अधीक्षक मनोज सिंह ने पीटीआई-भाषा को फोन पर बताया कि कड़ी सुरक्षा के बीच बृहस्पतिवार सुबह करीब 4.30 बजे वाहन पीथमपुर स्थित एक फैक्ट्री पहुंचे, जहां कचरे का निपटान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ट्रक फिलहाल पीथमपुर स्थित फैक्ट्री परिसर में खड़े हैं।

भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के निदेशक स्वतंत्र कुमार सिंह ने बुधवार को बताया, धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र तक वाहनों की करीब सात घंटे की यात्रा के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था। उन्होंने बताया कि रविवार से करीब 100 लोगों ने 30 मिनट की शिफ्ट में काम करके कचरे को पैक कर ट्रकों में रखा।

सिंह ने बताया, उनकी स्वास्थ्य जांच की गई और हर 30 मिनट में उन्हें आराम दिया गया। दो और तीन दिसंबर, 1984 की रात को यूनियन कार्बाइड कीटनाशक कारखाने से अत्यधिक जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) गैस का रिसाव हुआ था, जिसमें कम से कम 5,479 लोगों की मौत हो गई थी और हजारों लोग गंभीर और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने तीन दिसंबर को उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के बावजूद भोपाल में यूनियन कार्बाइड स्थल को खाली न करने के लिए अधिकारियों को फटकार लगाई थी। उच्च न्यायालय ने कचरे को हटाने के लिए चार सप्ताह की समयसीमा तय करते हुए कहा कि गैस त्रासदी के 40 साल बाद भी अधिकारी निष्क्रियता की स्थिति में हैं।

भारत-ईएफटीए समझौता 2025 खत्म होने से पहले लागू होने की उम्मीद : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के साल का अंत होने से पहले लागू होने की उम्मीद है।

दोनों पक्षों ने 10 मार्च, 2024 को व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते में भारत को समूह से 15 साल में 100 अरब डॉलर की निवेश प्रतिबद्धता मिली है जबकि स्विस घड़ियों, चॉकलेट और कटे एवं पॉलिश हीरे जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर अनुमति दी गई है। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्यों में आइसलैंड, लीशटेंस्टाइन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं।

गोयल ने इस समझौते के इस साल लागू होने की संभावना के बारे में पूछे गए पीटीआई-भाषा के एक सवाल पर कहा, ''हां, ईएफटीए बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है।'' उन्होंने कहा कि स्विट्जरलैंड की काउंसिल ऑफ स्टेट्स ने इस समझौते को मंजूरी दे दी है और अब इसे मंजूरी के लिए राष्ट्रीय परिषद के पास भेजा जाएगा। ईएफटीए समूह के देशों को किसी व्यापार समझौते को अपनी-अपनी संसद से अनुमोदन लेना जरूरी होता है। उन्होंने कहा, ''समझौते को स्विट्जरलैंड के राजनीतिक हलकों में भारी समर्थन मिलना वास्तव में आने वाले समय का संकेत है। यह दर्शाता है कि एक महत्वपूर्ण बाधा पार हो गई है और उन्हें कैलेंडर वर्ष 2025 का अंत होने से पहले इस साल की शरद ऋतु तक इसे लागू करने की उम्मीद है।'' अन्य देशों के साथ एफटीए वार्ता की प्रगति पर गोयल ने कहा कि उन्होंने ब्रिटेन के साथ प्रस्तावित समझौते पर वहां के नए व्यापार मंत्री के साथ बैठकें की हैं। इस महीने के अंत में प्रस्तावित एफटीए पर अगले दौर की वार्ता होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ एफटीए पर भी यूरोपीय व्यापार आयुक्त के साथ चर्चा हुई है। उन्होंने कहा, ''हम वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए अगले कुछ महीनों में जल्द ही फिर से मिलने पर सहमत हुए हैं।'' इसके साथ ही गोयल ने कहा कि भारत इन समझौतों में अपने राष्ट्रीय हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा, ''जब तक समझौता न्यायसंगत, निष्पक्ष और संतुलित नहीं होगा, भारत किसी भी तर्कहीन शर्तों पर सहमत नहीं होगा।''

छात्राओं ने हॉस्टल शौचालय में वीडियो रिकॉर्ड किये जाने का संदेह जताया, विरोध प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद के बाहरी उपनगर मेडचल स्थित एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में तब विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया, जब कुछ छात्राओं ने संदेह जताया कि छात्रावास के शौचालय में उनके वीडियो रिकॉर्ड किए जा रहे हैं। यह जानकारी पुलिस ने दी।

बुधवार रात और बृहस्पतिवार को कॉलेज परिसर में आयोजित प्रदर्शनों के दौरान विभिन्न छात्र संगठनों के सदस्य प्रदर्शनकारी छात्रों में शामिल हुए। कुछ प्रदर्शनकारी कॉलेज के गेट पर लगे ताले को तोड़ते दिखे, जबकि अन्य लोग गेट पर चढ़कर परिसर में घुसे। उन्होंने ''हमें न्याय चाहिए'' जैसे नारे लगाये। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस की एक टीम कॉलेज पहुंची। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को मीडिया को बताया कि छात्राओं ने संदेह जताया है कि लड़कियों के शौचालय में पहले भी वीडियो रिकॉर्ड किए गए थे। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच के आधार पर, संस्थान के प्रबंधन की ओर से कुछ लापरवाही पाई गई, क्योंकि लड़कियों के छात्रावास के पीछे श्रमिकों के कमरे बनाए गए थे। पुलिस ने कहा कि पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और उनके फिंगरप्रिंट एकत्र किए गए। पुलिस ने कहा कि संदिग्धों के मोबाइल फोन की भी जांच की गई, लेकिन अभी तक कोई वीडियो नहीं मिला है।

पुलिस ने कहा कि एक मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है। कॉलेज के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें बुधवार को छात्राओं से एक शिकायत मिली, जिसमें आरोप लगाया गया कि किसी ने शौचालय की खिड़की से वीडियो बनाया है।

अधिकारी मंत्रालय में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए एआई का इस्तेमाल करें : देवेंद्र फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे दक्षिण मुंबई स्थित राज्य सचिवालय 'मंत्रालय' में एआई का उपयोग कर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करें। फडणवीस ने उन्हें मंत्रालय के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा जांच के लिए एक मजबूत व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा। फडणवीस ने मंत्रालय में गृह विभाग और पुलिस बल के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक के दौरान ये निर्देश दिए।एक अधिकारी ने बताया कि फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक बैठक के दौरान 'मंत्रालय' में सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मंत्रालय में सुरक्षा मजबूत करने के लिए एआई तकनीक का उपयोग करें तथा प्रवेश द्वार से अंदर तक के लिए ठोस (सुरक्षा) व्यवस्था विकसित करें। अधिकारी के अनुसार सरकारी कर्मचारी और अधिकारी सरकारी काम के सिलसिले में नियमित रूप से मंत्रालय से विधान भवन (पास में स्थित विधानमंडल परिसर) जाते हैं। विधानमंडल सत्र के दौरान इन दोनों स्थानों पर आंगतुकों की संख्या काफी बढ़ जाती है। फडणवीस ने इसे देखते हुए उन्हें विशेष पास जारी करने का आदेश दिया।

हिमाचल 828 मेगावाट क्षमता की 22 नई पनबिजली परियोजनाएं आवंटित करेगा : सुखविंदर सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार 828 मेगावाट की कुल क्षमता वाली 22 नई पनबिजली परियोजनाएं आवंटित करने के लिए तैयार है। ये परियोजनाएं कुल्लू, चंबा, किन्नौर, लाहौल-स्पीति और शिमला जिलों में स्थित हैं। इनकी क्षमता 6.5 मेगावाट से लेकर 400 मेगावाट तक होगी।

सुक्खू ने कहा कि चिनाब नदी बेसिन के लिए 595 मेगावाट की कुल क्षमता वाली नौ परियोजनाओं का सबसे बड़ा आवंटन किया जाना है। इसके अलावा सतलज नदी बेसिन के लिए 169 मेगावाट की कुल आठ परियोजनाएं, रावी बेसिन के लिए 55 मेगावाट वाली चार परियोजनाएं और ब्यास बेसिन के लिए नौ मेगावाट की क्षमता वाली एक परियोजना निर्धारित की गई है। उन्होंने एक बयान में कहा कि राज्य सरकार पहली बार इन परियोजनाओं को अन्य राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और केंद्रीय एवं राज्य उपक्रमों को आवंटित करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''परियोजनाओं को 40 साल के पट्टे पर 10 लाख रुपए प्रति मेगावाट के अग्रिम प्रीमियम के साथ सौंपा जाएगा।'' उन्होंने कहा कि इस संबंध में ऊर्जा निदेशालय राज्यों और केंद्रीय उपक्रमों के सचिवों को पहले ही एक पत्र जारी कर चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी, मुफ्त बिजली के माध्यम से राजस्व में वृद्धि होगी और स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, ''इससे आसपास के क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा मिलेगा और हिमाचल प्रदेश को भारत के सबसे समृद्ध राज्यों में से एक बनने का मार्ग प्रशस्त होगा।''

दिल्ली सरकार, उपराज्यपाल को विवादों को हमेशा के लिए सुलझाना चाहिए : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच विवादों को हमेशा के लिए सुलझा लिया जाना चाहिए। सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए बनाई गई एक योजना के लिए धनराशि जारी किए जाने की जानकारी मिलने के बाद न्यायालय ने यह टिप्पणी की।

इस योजना के तहत लोगों को सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को बचाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसके अलावा इस योजना के अंतर्गत सरकार ऐसे पीड़ितों के अस्पताल के बिल का भुगतान भी करती है। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की जब दिल्ली सरकार ने कहा कि शहर के अस्पतालों में सड़क दुर्घटना पीड़ितों को नि:शुल्क चिकित्सा उपचार की सुविधा देने वाली उसकी योजना ''फरिश्ते दिल्ली के'' की खातिर धनराशि मंजूर कर दी गई है। अदालत दिल्ली सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें लंबित बिलों का भुगतान करने, निजी अस्पतालों को भुगतान जारी करके योजना को फिर से चालू करने और जानबूझकर इसे ''बंद'' करने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने का अनुरोध किया गया है। दिल्ली सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शादान फरासत ने पीठ को दिसंबर 2023 में शीर्ष अदालत द्वारा दिये गये नोटिस के बाद धनराशि जारी करने की जानकारी दी। पीठ ने कहा कि इस घटनाक्रम के मद्देनजर मामला सुलझ गया है और याचिका का निपटारा कर दिया गया। दिसंबर 2023 में, दिल्ली सरकार द्वारा इस योजना के लिए धनराशि रोकने का आरोप लगाने के बाद उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) कार्यालय और अन्य से जवाब मांगा था।

सेबी की जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के खिलाफ कार्यवाही जारी, फिर से कारण बताओ नोटिस जारी करेगा

नई दिल्ली/भाषा। बाजार नियामक सेबी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह सूचीबद्धता मानदंडों के कथित उल्लंघन को लेकर जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लि. के खिलाफ जांच जारी रखे हुए है और इस मामले में संस्थापक चेयरमैन सुभाष चंद्रा और उनके बेटे पुनीत गोयनका को नया कारण बताओ नोटिस भेजेगा।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के न्याय निर्णय से जुड़े अधिकारी ने पारित आदेश में कहा है कि उन्हें जारी किए गए पहले कारण बताओ नोटिस (एससीएन) की बातें को भी नये नोटिस में शामिल किया जाएगा। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज और उसके शीर्ष प्रबंधक खुलासा नियमों के कथित उल्लंघन को लेकर सेबी की जांच के दायरे में है। उन्हें इससे पहले जुलाई, 2022 में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

डॉ. अंबेडकर 1940 में आरएसएस की शाखा में आए थे : विश्व संचार केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर 85 साल पहले महाराष्ट्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की एक शाखा में आए थे। संघ के मीडिया केंद्र विश्व संवाद केंद्र (वीएसके) ने बृहस्पतिवार को यह दावा किया। वीएसके के विदर्भ प्रांत ने बृहस्पतिवार को एक बयान जारी कर कहा कि अंबेडकर ने अपने दौरे के दौरान कहा था कि कुछ मुद्दों पर मतभेदों के बावजूद वह आरएसएस को अपनेपन की भावना से देखते हैं।

बयान के मुताबिक, आरएसएस ने अपनी अब तक की यात्रा में कई चुनौतियों का सामना किया है और संगठन पर कई आरोप लगाए गए हैं, लेकिन उसने इन सभी आरोपों को गलत साबित किया है तथा एक सामाजिक संगठन के रूप में अपनी पहचान को फिर से पुष्ट किया है। इसमें कहा गया है कि आरएसएस पर विभिन्न कारणों से तीन बार प्रतिबंध लगाया गया, लेकिन हर बार यह बेदाग निकला।

बयान के अनुसार, आरएसएस पर दलित विरोधी होने के आरोप लगे और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर तथा आरएसएस के बारे में गलत सूचना फैलाई गई। लेकिन अब डॉ. अंबेडकर और आरएसएस के बारे में एक नया दस्तावेज सामने आया है, जो दोनों के बीच संबंधों को उजागर करता है।

चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित किए जाने के 15 दिन बाद 65 वर्षीय व्यक्ति घर वापस लौटा

कोल्हापुर/भाषा। महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित किए जाने के 15 दिन बाद एक व्यक्ति वापस घर लौट आया। पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के कसाबा-बावड़ा निवासी पांडुरंग उल्पे को 16 दिसंबर को दिल का दौरा पड़ा और उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित किए जाने के बाद उल्पे के पड़ोसी और रिश्तेदार उनके अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। उल्पे की पत्नी ने कहा, जब हम उनके शव को अस्पताल से घर ला रहे थे, तो उस दौरान ही जब एम्बुलेंस एक स्पीड ब्रेकर से गुजरी और हमने देखा कि उनकी उंगलियों में हलचल हो रही है।

दिल्ली में बांग्लादेशी नागरिकों को घुसपैठ कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशी नागरिकों को घुसपैठ में मदद करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ कर चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पड़ोसी देश के दो नागरिक शामिल हैं जो कथित तौर पर अवैध रूप से भारत में घुसे थे। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए अन्य दो लोगों पर बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में घुसपैठ कराने और दस्तावेज बनवाने में मदद करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि गिरोह के सदस्य परिवहन का प्रबंधन और भारत में उनके ठहरने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करने में मदद करते थे। पुलिस ने फर्जी आधार, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट आवेदन और अन्य दस्तावेज भी जब्त किए हैं।

उम्मीद है केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा अस्थायी है, केंद्र जल्द राज्य का दर्जा बहाल करे : उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को उम्मीद जताई कि जम्मू-कश्मीर का केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा अस्थायी है और केंद्र सरकार राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा पूरा करेगी। उन्होंने कहा, हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती अपना राज्य का दर्जा वापस पाना है। हम लोग अब उम्मीद कर रहे हैं कि हमसे किए गए वादे पूरे किए जाएंगे। सबसे बड़ा वादा राज्य का दर्जा बहाल करना है।

अब्दुल्ला ने यहां शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा, उच्चतम न्यायालय ने भी अपने फैसले में कहा था कि राज्य का दर्जा यथाशीघ्र बहाल किया जाना चाहिए। तब से एक वर्ष बीत चुका है और हमारा मानना है कि एक वर्ष काफी है। उन्होंने अपनी दो महीने पुरानी सरकार के समक्ष मौजूद विभिन्न मुद्दों से जुड़े प्रश्नों के उत्तर दिए। केंद्र शासित प्रदेश की सरकार को उपराज्यपाल के साथ मिलकर काम करना होता है। अब्दुल्ला ने कहा, हमें सत्ता में आए दो महीने से थोड़ा अधिक समय हो गया है। हमें यह समझने में समय लगा कि केंद्र शासित प्रदेश सरकार कैसे काम करती है। हम पहले भी सरकार चला चुके हैं, लेकिन उस स्वरूप और वर्तमान स्वरूप में बहुत अंतर है।

केंद्र सरकार ने पांच अगस्त, 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करके जम्मू-कश्मीर राज्य को विभाजित करके दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए थे। जम्मू-कश्मीर में सीमित शक्तियों वाली विधानसभा है, जबकि दूसरे केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में विधानसभा नहीं है। दिसंबर 2023 में, उच्चतम न्यायालय ने विशेष दर्जा रद्द करने और दो केंद्र शासित प्रदेश बनाने के केंद्र सरकार के फैसले को बरकरार रखा था, लेकिन केंद्र सरकार से कहा था कि वह जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करे।

नए साल में बड़े पैमाने पर वृद्धि हासिल करने का भरोसा: महिंद्रा समूह सीईओ

नई दिल्ली/भाषा। महिंद्रा समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक अनीश शाह ने नए साल में समूह के आगे बढ़ने का भरोसा जताते हुए कहा है कि बड़े पैमाने पर वृद्धि हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है।

शाह ने समूह के कर्मचारियों को भेजे नए साल के अपने संदेश में कहा है कि पिछले एक साल में समूह ने अपनी वृद्धि को तेज किया है और इसके व्यवसाय महत्वाकांक्षी राह पर अग्रसर हैं और आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हम बड़े पैमाने पर वृद्धि हासिल करने की अपनी आकांक्षा से प्रेरित होकर उम्मीद और विश्वास के साथ आगे देखते हैं। हम एक मकसद के साथ नेतृत्व करना जारी रखेंगे, साहसिक लक्ष्य तय करेंगे और उन्हें पाने के लिए अनुशासन एवं दृढ़ संकल्प के साथ काम करेंगे।'' शाह ने वर्ष 2024 को सभी आयामों में अविश्वसनीय साल बताते हुए कहा कि इस दौरान समूह का प्रदर्शन साहसिक लक्ष्यों से भी कहीं आगे निकल गया। उन्होंने इसका श्रेय महिंद्रा की टीम को देते हुए कहा कि अपनी मौजूदगी वाले हरेक क्षेत्र में समूह सार्थक भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने कहा, ''हमारे पास वाहन, कृषि और सेवाओं में एक संतुलित पोर्टफोलियो है और हमने एक अच्छा संतुलन हासिल किया है। प्रत्येक खंड हमारी समग्र लाभप्रदता में महत्वपूर्ण योगदान देता है।''

प्रधानमंत्री के 'नए साल के संकल्प' लोगों का जीवन बर्बाद करने वाले जुमलों से कम नहीं: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने निजी खपत में गिरावट, महंगाई, 'आर्थिक असमानता' को लेकर बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और दावा किया कि उनके ''नए साल के संकल्प'' लोगों का जीवन बर्बाद करने वाले जुमलों से कम नहीं हैं।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह आरोप भी लगाया कि सरकार के पास आर्थिक उथल-पुथल का कोई समाधान नहीं है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार के पास खुद के द्वारा पैदा की गई आर्थिक उथल-पुथल का कोई समाधान नहीं है। कुछ संकेतक साफ बताते हैं कि आम भारतीयों के जीवन में कितनी समस्या है। गोल्ड लोन में 50 प्रतिशत की वृद्धि और गोल्ड लोन एनपीए में 30 प्रतिशत का उछाल आया।'' उन्होंने दावा किया कि निजी खपत कम हो गई है तथा कारों की बिक्री में वृद्धि चार साल के निचले स्तर पर आ गई है।

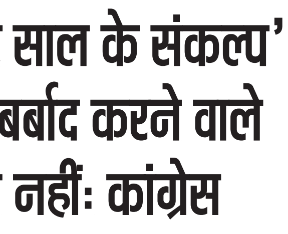

उनका कहना था, ''पिछले 5 वर्षों (2019-2023) में इंजीनियरिंग, विनिर्माण, प्रक्रिया और बुनियादी ढांचे (ईएमपीआई) के क्षेत्र में मजदूरी केवल 0.8 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक दर से बढ़ी। पिछली आठ तिमाहियों में खाद्य मुद्रास्फीति औसतन 7.1 प्रतिशत रही है। आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी के रूप में अप्रत्यक्ष कराधान से घरेलू बचत घट रही है जो 50 साल के निचले स्तर पर है।''

खरगे के अनुसार, घरेलू वित्तीय देनदारियां अब सकल घरेलू उत्पाद का 6.4 प्रतिशत हैं, जो दशकों में सबसे अधिक है। उन्होंने दावा किया, ''रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है, जिससे विदेशी धन बाहर चला गया और छोटे निवेशकों को लाखों करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''नरेन्द्र मोदी जी, आपके वार्षिक 'नए साल के संकल्प' प्रत्येक नागरिक के जीवन को नष्ट करने वाले जुमलों से कम नहीं हैं।''

यूपीआई के जरिये लेनदेन दिसंबर में आठ प्रतिशत बढ़कर 16.73 अरब पर

नई दिल्ली/भाषा। यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) के माध्यम से लेनदेन की संख्या दिसंबर में मासिक आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 16.73 अरब तक पहुंच गई। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। नवंबर में यूपीआई लेनदेन की संख्या 15.48 अरब थी।

एनपीसीआई ने कहा कि लेनदेन का मूल्य दिसंबर, 2024 में 23.25 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि नवंबर में यह 21.55 लाख करोड़ रुपए था। दिसंबर के दौरान औसत दैनिक लेनदेन संख्या 53.97 करोड़ रही, जो नवंबर में 51.1 करोड़ थी। मूल्य के संदर्भ में, दिसंबर में औसत दैनिक लेनदेन 74,990 करोड़ रुपए रहा। वहीं नवंबर में यह 71,840 करोड़ रुपए था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय बैंक संघ की पहल एनपीसीआई भारत में खुदरा भुगतान और निपटान प्रणाली के संचालन के लिए प्रमुख इकाई है। एनपीसीआई, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का संचालन करता है।

बेरोजगार युवाओं, गृहणियों और छात्रों को निशाना बनाकर की जा रही साइबर धोखाधड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एक नया साइबर घोटाला सामने आया है, जिसमें बेरोजगार युवाओं, गृहणियों, छात्रों और जरूरतमंद लोगों को निशाना बनाया जाता है और वे प्रतिदिन बड़ी रकम गंवा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। रिपोर्ट के अनुसार, इसे पिग बुचरिंग स्कैम या निवेश घोटाले के रूप में भी जाना जाता है।

इसमें कहा गया है कि साइबर अपराधी इन अपराधों को शुरू करने के लिए गूगल सेवा मंच का भी उपयोग कर रहे हैं। इसमें कहा गया, गूगल विज्ञापन मंच सीमा पार से लक्षित विज्ञापन के लिए एक आसान सुविधा प्रदान करता है। 'पिग बुचरिंग स्कैम' या 'निवेश घोटाला' के रूप में जाना जाने वाला यह घोटाला एक वैश्विक मामला है और इसमें बड़े पैमाने पर धन शोधन और यहां तक कि 'साइबर स्लेवरी' भी शामिल है। माना जाता है कि 2016 में चीन में शुरू हुआ 'पिग बुचरिंग स्कैम' भोले-भाले व्यक्तियों को निशाना बनाता है, जिनका साइबर अपराधी समय के साथ भरोसा जीतते हैं और अंततः उन्हें क्रिप्टोकरेंसी या किसी अन्य आकर्षक योजना में निवेश करने के लिए राजी कर लेते हैं और फिर उनकी रकम चोरी कर लेते हैं।

'पिग बुचरिंग' की उपमा सूअरों को मारे जाने से पहले उन्हें खिला पिलाकर मोटा किये जाने से आई है। इस खतरे पर अंकुश लगाने के लिए गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने समय-समय पर तत्काल कार्रवाई के लिए खतरे की खुफिया जानकारी साझा करने के वास्ते गूगल के साथ साझेदारी की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि साइबर अपराधी भारत में अवैध रूप से ऋण देने वाले ऐप शुरू करने के लिए प्रायोजित फेसबुक का उपयोग कर रहे हैं। इसमें कहा गया, ऐसे लिंक की सक्रिय रूप से पहचान की जाती है और आवश्यक कार्रवाई के लिए उन्हें फेसबुक तथा फेसबुक पेजों के साथ साझा किया जाता है।

जद (एस) नेता सूरज रेवन्ना ने हासन के लोगों का ऋण चुकाने का संकल्प लिया

हासन/दक्षिण भारत। जनता दल (सेक्युलर) के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सूरज रेवन्ना ने कहा है कि वह और उनके छोटे भाई प्रज्वल रेवन्ना हासन के लोगों का ऋण चुकाने का प्रयास करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पोते और विधायक एच डी रेवन्ना के बेटे सूरज रेवन्ना ने सत्तारूढ़ कांग्रेस को गौड़ा परिवार और जद (एस) कार्यकर्ताओं को परेशान करने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि सत्ता स्थायी नहीं होती। सूरज ने बुधवार शाम को हासन में लोगों को संबोधित करते हुए कहा, सूरज अकेले नहीं उगता। यह चमकने और रोशनी (प्रज्ज्वल) लाने के लिए उगता है। आपके प्रज्ज्वल अन्ना और सूरज अन्ना हासन के लोगों का ऋण चुकाएंगे। सूरज और उनके भाई एवं पूर्व सांसद प्रज्ज्वल यौन उत्पीड़न के मामलों का सामना कर रहे हैं। प्रज्ज्वल कथित यौन उत्पीड़न के मामले में जेल में है, जबकि अप्राकृतिक यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे सूरज जमानत पर बाहर हैं। सूरज ने कहा, 'हम देख रहे हैं कि कैसे कुछ अधिकारी और हमारे विरोधी हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं को परेशान कर रहे हैं। कुछ भी स्थायी नहीं है। कोई भी सरकार स्थायी नहीं है।'

मंत्री प्रियंक खरगे ने ठेकेदार आत्महत्या मामले से उन्हें जोड़ने पर भाजपा की आलोचना की

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने ठेकेदार सचिन पांचाल आत्महत्या मामले से उनका नाम जोड़े जाने के लिए बृहस्पतिवार को भाजपा नेताओं की आलोचना की और कहा कि उनका इस मामले से कोई संबंध नहीं है। यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियंक ने

कहा कि सचिन पांचाल और संतोष पाटिल के आत्महत्या मामले पूरी तरह से अलग हैं। संतोष पाटिल ने 12 अप्रैल, 2022 को उडुपी के एक होटल के कमरे में आत्महत्या कर ली थी। उस समय राज्य में भाजपा की सरकार थी। प्रियंक ने कहा, संतोष पाटिल ने स्पष्ट रूप से भाजपा सरकार के तत्कालीन ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री के.एस. ईश्वरप्पा का उल्लेख किया था, जबकि पांचाल मामले में सुसाइड नोट में मेरा नाम कहीं नहीं है, लेकिन फिर भी भाजपा एक निराधार मुद्दा उठा रही है। उन्होंने पूछा, ''क्या भाजपा ने पाटिल के परिजनों को मुआवजा दिया या उनके परिवार के सदस्यों को नौकरी दी?'' मंत्री ने यह भी कहा कि बलात्कार और जातिवादी टिप्पणी के मामलों का सामना कर रहे पूर्व मंत्री मुनिरत्न को अभी तक भाजपा से निष्कासित नहीं किया गया है, जिससे पार्टी की अपने नारे 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के प्रति गंभीरता पर संदेह पैदा होता है। सिविल ठेकेदार सचिन पांचाल ने 26 दिसंबर को बीदर जिले में चलती ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली थी। पांचाल ने अपने सुसाइड नोट में प्रियंक खरगे के करीबी राजू कपनूर पर उन्हें यह कदम उठाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने तेलुगू अभिनेत्री कोल्ला हेमा के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर लगाई रोक

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मई 2024 में बेंगलूरु में इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी के पास एक रेव पार्टी में कथित तौर पर मादक पदार्थ के इस्तेमाल के मामले में तेलुगू अभिनेत्री कोल्ला

हेमा के खिलाफ कार्यवाही पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति हेमंत चंदन गौदर ने 52 वर्षीय हेमा द्वारा दायर याचिका पर अंतरिम रोक का आदेश दिया। याचिका में स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के तहत दायर आरोप पत्र को चुनौती दी गई थी। यह रोक तब तक लागू रहेगी जब तक अदालत चार सप्ताह बाद मामले की सुनवाई पुन: शुरू नहीं कर देती। मंगलवार को अदालत का फैसला हेमा के वकील की दलीलों के बाद आया, जिन्होंने कहा कि एनडीपीएस अधिनियम की धारा 27 (बी) के तहत आरोप (मादक पदार्थों के सेवन से संबंधित) एक सह-आरोपी के कबूलनामे पर आधारित थे। वकील ने तर्क दिया कि इस बात की पुष्टि करने के लिए कोई पर्याप्त साक्ष्य नहीं है कि हेमा ने किसी प्रतिबंधित पदार्थ का सेवन किया था। बेंगलूरु की 'सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी)' द्वारा रेव पार्टी पर छापा मारने के बाद मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि पार्टी में शामिल कई लोगों के रक्त के नमूनों में मादक पदार्थ या साइकोट्रोपिक पदार्थ पाए जाने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। आरोप पत्र में हेमा पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने एमडीएमए नामक मादक पदार्थ का सेवन किया था।

बाइक शोरुम में आग लगने से 52 मोटरसाइकिल जलकर स्वाहा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। महादेवपुरा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत बी. नारायणपुरा में एक मोटरबाइक शोरुम में बुधवार को रात आग लगने से शोरूम में रखी नई मोटर साइकिलों सहित कुल 52 मोटरसाइकिल जलकर स्वाहा हो गई । जानकारी के अनुसार बुधवार को शाम सात बजे जब शोरुम के संचालक यमाहा शोरूम को बंद करके घर चले गए और ड्यूटी पर तैनात सिक्युरिटी गार्ड रात्रि 8 बजे के समय भोजन के लिए चला गया। इस दरम्यान शो रूम से धुंआ दिखाई दिया तो रात्रि 8.40 बजे लोगों ने आग की सूचना फायर ब्रिगेड विभाग को दी। फायर ब्रिगेड़ वाहनों ने मौके पर आकर आग पर काबू किया लेकिन तब तक कुल 52 मोटरसाइकिल जलकर राख हो गई थीं। शोरूम के पीछे यमाहा का सर्विस स्टेशन भी है जिसको भी आग से नुकसान पहुंचा है।

नम्मा मेट्रो में महिला की फोटो खींचने पर कार्रवाई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। नम्मा मेट्रो से यात्रा करने वाली एक साफ्टरवेयर इंजीनियर महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि यात्रा के दौरान उसकी किसी ने फोटो खींची है जिसपर पुलिस ने इस पर कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार 26 दिसम्बर को मेट्रो से मैजेस्टिक से जेपीनगर की ओर जाते समय महिला साफ्टरवेयर इंजीनियर ने जयनगर मेट्रो स्टेशन पर सुरक्षाकर्मी को बताया कि उसकी बिना अनुमति के एक व्यक्ति ने फोटो खींची है। जयनगर के सुरक्षाकर्मी ने उस व्यक्ति से पूछताछ की। जानकारी के अनुसार पेशे से आयुर्वेद डॉक्टर के फोन में उस महिला की फोटो मिली जिसे डिलीट करवाया गया और लिखित माफीनामा के बाद उसे हिदायत देकर छोड़ दिया गया।

खेल रत्न के लिए चुने गए गुकेश का भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने का वादा

चेन्नई/नई दिल्ली। शतरंज के विश्व चैंपियन डी गुकेश ने गुरुवार को प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुने जाने के बाद भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने का वादा किया। गुकेश हाल ही में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बने जब उन्होंने चीन के डिंग लिरेन को हराया। वह विश्वनाथन आनंद के बाद यह खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं। गुकेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टैग करते हुए 'एक्स' पर लिखा, ''माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, मैं प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुने जाने पर वास्तव में आभारी हूं और विनम्र महसूस कर रहा हूं।

स्मार्ट सिटी अभियान के तहत किए गए कार्यों की जांच के मंत्री बैराती सुरेश ने निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहरी विकास एवं शहरी नियोजन मंत्री बी. एस. सुरेश (बैराती) द्वारा सुझाया गया। सुरेश ने गुरुवार को विधानसौधा कार्यालय में स्मार्ट सिटी अभियान के तहत बेलगाम, दावणगेरे, हुब्बल्ली-धारवाड़, मेंगलूरु, शिव्वमोग्गा और तुमकुर शहरों में कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक की।

स्मार्ट सिटी अभियान की शुरूआत से लेकर अब तक प्रदेश के 7 स्मार्ट शहरों में रू. 6415.51 करोड़ के काम हो चुके हैं और जो पूरे हुए हैं उनमें से कई काम संतोषजनक नहीं हैं। मंत्री बैराती सुरेश ने बेंगलूरु को छोड़कर बाकी 6 स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट की जांच के लिए स्वतंत्र संस्था समेत एक कमेटी बनाने का नगर विकास विभाग सचिव को निर्देश दिया।

सुरेश ने बताया कि केन्द्र एवं राज्य सरकार से 50:50 अनुदान के तहत कार्य लिये गये हैं और अधिकांश कार्य पूर्ण हो चुके हैं।

मंत्री बैराती सुरेश ने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि अधिकांश धनराशि सड़क निर्माण, जल निकासी, पार्कों के निर्माण और रखरखाव कार्यों पर खर्च की गई है, उन्होंने कहा कि यह केंद्र और राज्य सरकार के अनुदान का बराबर हिस्सा था, और स्मार्ट स्कूल, अस्पताल, पुस्तकालय, बस स्टैंड सहित स्थायी भवनों का निर्माण पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए था। उन्होंने 6 स्मार्ट सिटी प्रबंध निदेशकों को सुझाव दिया कि स्मार्ट सिटी अभियान के तहत किए जाने वाले कार्यों का उपयोग सड़क निर्माण, जल निकासी और अन्य कार्यों में न करके सरकार की संपत्ति बढ़ाने के लिए किया जाना चाहिए।

प्रत्येक स्मार्ट सिटी के लिए लगभग रु. 990 करोड़ का अनुदान जारी किया गया है। जिसमें शैक्षिक सैकड़ा 2 प्रतिशत, ईंधन 8 प्रतिशत, स्वास्थ्य 2 प्रतिशत, सूचना प्रौद्योगिकी कुल का 8 प्रतिशत।

अनुदान का 20% हिस्सा झील और पार्क को दिया जाएगा। 9 प्रतिशत, बाज़ार, 5 प्रतिशत, सड़क निर्माण के लिए निर्धारित है। 36 प्रतिशत खेल क्षेत्र के लिए, 5 प्रतिशत परिवहन व्यवस्था के लिए और 8 प्रतिशत अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए। प्रगति समीक्षा बैठक में मंत्री ने देखा कि अनुदान का 18 प्रतिशत आवंटित किया गया था और इन क्षेत्रों में काम लगभग पूरा हो चुका था, उनमें से कुछ पर्याप्त रूप से नहीं किए गए थे। बैठक में मंत्री बैराती सुरेश ने कहा कि अब तक हुए सभी कार्यों की जांच करायी जाए।

स्मार्ट सिटी अभियान मार्च 2025 के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा और बकाया एवं शेष राशि को आधुनिक तकनीक वाले अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्मार्ट स्कूलों के निर्माण पर खर्च किया जाना चाहिए। मंत्री बैराती सुरेश ने राय दी कि स्मार्ट स्कूलों में उन्नत शिक्षण सामग्री को शामिल किया जाना चाहिए।

बैठक में मंत्री ने बताया कि बेलगावी, हुब्बल्ली-धारवाड़ और शिम्मोगगा स्मार्ट सिटी परियोजना में हुए कार्यों को लेकर स्थानीय जन प्रतिनिधियों ने नाराजगी जताई और सीधे तौर पर मुझे बताया और अधिकारियों को भविष्य में ऐसा नहीं करने की चेतावनी दी। बैठक में शहरी विकास विभाग की सचिव दीपा चोलन, कर्नाटक शहरी बुनियादी ढांचा विकास और वित्त निगम के प्रबंध निदेशक बी. सारथ, मुख्य वास्तुकार नंदीश, 6 स्मार्ट शहरों के प्रबंध निदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

कर्नाटक में मातृ मृत्यु

विपक्ष के नेता ने न्यायिक जांच और स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में मातृ मृत्यु को लेकर राज्य की कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने बृहस्पतिवार को मामले की न्यायिक जांच और स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू

राव के इस्तीफे की मांग की। अशोक ने सरकारी अस्पतालों की स्थिति पर चिंता व्यक्त की और प्रशासन पर 'दवा माफिया' के आगे झुकने का आरोप लगाते हुए कहा कि मातृ मृत्यु एक तरह से सरकार द्वारा प्रायोजित हत्या है।

विपक्ष की नेता की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के महिला मोर्चा ने बृहस्पतिवार से पांच जिलों में रोजाना विरोध प्रदर्शन शुरू किया है। मोर्चा ने स्वास्थ्य मंत्री गुंडू राव और महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के इस्तीफे की मांग करते हुए आरोप लगाया है कि वे राज्य में प्रसूति के बाद महिलाओं की मौत को रोकने में नाकाम रहे हैं।

अशोक ने यहां संवाददाताओं से कहा, कर्नाटक में सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद सरकारी अस्पतालों में मातृ मृत्यु दर में वृद्धि हुई है। अधिकतर मौतें 25-30 आयु वर्ग में हो रही हैं और यह प्रवृत्ति जारी है। उन्होंने कहा, मातृ मृत्यु के लिए सरकार सीधे तौर पर जिम्मेदार है। यह एक तरह से सरकार प्रायोजित हत्या है। घटिया दवाएं दी गईं और यह स्पष्ट है कि सरकार दवा माफिया के आगे झुक गई है।

अशोक ने कहा, मौतों की न्यायिक जांच होनी चाहिए थी। न्यायिक जांच के बारे में मुझे अब तक कोई जानकारी नहीं मिली है। घटिया दवा की आपूर्ति करने वाली कंपनी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज होना चाहिए था।

घाटप्रभा रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन के लिए स्टॉपेज की शुरूआत को हरी झंडी दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

घाटप्रभा। वंदे भारत एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 20670 पुणे-हुब्बल्ली वीबी को घाटप्रभा में अतिरिक्त स्टॉपेज के साथ बेलगावी के सांसद जगदीश शेट्टार और राज्यसभा सांसद इरन्ना कडाडी द्वारा हरी झंडी दिखाई गई। इस अवसर पर बोलते हुए, बेलगावी लोकसभा सदस्य, जगदीश शेट्टार ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मिराज और बेलगावी के बीच स्थित घाटप्रभा शहर में तेजी से विकास हो रहा है। वंदे भारत हॉल्ट के जुड़ने से इस क्षेत्र में और भी प्रगति होने की उम्मीद है। उन्होंने उल्लेख किया कि इस क्षेत्र में पहले से ही अच्छी संख्या में ट्रेनें चल रही हैं, और लोगों को इस सेवा का सर्वोत्तम उपयोग करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि घाटप्रभा स्टेशन को 18.15 करोड़ की लागत से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किया जा रहा है घाटप्रभा स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन का ठहराव शुरू होने के समय से ही लोगों की मांग रही है और इससे आस-पास के इलाकों के लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। खास तौर पर, यह पुणे और हुब्बल्ली के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए सुविधाजनक होगा और घाटप्रभा की पर्यटन संभावनाओं को बढ़ावा देगा।

मुफ्त सुविधाओं पर निर्भर न रहें, खुद सौर ऊर्जा का उत्पादन करें : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। केंद्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बृहस्पतिवार को लोगों से आग्रह किया कि वे मुफ्त सुविधाओं के लिए सरकारों पर निर्भर न रहें बल्कि खुद ही सौर ऊर्जा का उत्पादन करें। जोशी ने यहां 'सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' पर चर्चा के लिए उपभोक्ताओं, बिजली आपूर्ति कंपनी (ईएससीओएम) के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ एक परामर्श बैठक में भाग लिया।

जोशी ने कहा, ''मैं इस बात पर टिप्पणी नहीं करूंगा कि उस मुफ्त बिजली के वितरण के पीछे क्या उद्देश्य हैं, जिसका उत्पादन पर्यावरण के लिए हानिकारक ईंधन का उपयोग करके किया जाता है। लेकिन बिजली क्षेत्र में स्थिरता देश के सुरक्षित भविष्य की कुंजी बनने जा रही है।'' जोशी केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री भी हैं।

जोशी के अनुसार, प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 फरवरी 2024 को शुरू की गई 'सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' का उद्देश्य सभी घरों को उनकी छतों पर सौर पैनल लगाने के लिए सब्सिडी देकर मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि गैर-नवीकरणीय स्रोतों वाली मुफ्त योजनाओं के लिए किसी ना किसी को कीमत चुकानी होती है।

जोशी ने कोयला मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि जो कुछ 'मुफ्त' के रूप में वितरित किया जा रहा है, उसके लिए बहुत अधिक कीमत चुकाई जा रही है। उन्होंने कहा, मुझे आंकड़े याद हैं: 2.5 लाख टन कोयले का खनन बहुत अधिक लागत और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हुए किया जा रहा था, जिसे थर्मल पावर उत्पादकों तक पहुंचाया जा रहा था और थर्मल पावर के उत्पादन की प्रक्रिया में बहुत अधिक लागत शामिल थी।

जोशी ने यह भी कहा कि सरकार भविष्य में विकास के लिए अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर विचार कर रही है। जोशी ने कहा, ऊर्जा के इन स्रोतों में अनुसंधान और उत्पाद विकास का काम जारी है। सौर ऊर्जा प्रबंधन में भी अभूतपूर्व अनुसंधान और उत्पाद विकास का काम जारी है, जिससे सौर ऊर्जा इकाइयां 25 वर्ष की बजाय 40 वर्ष तक काम कर सकेंगी। उनकी स्थापित क्षमता भी बढ़ेगी और लागत को मांग के आधार पर तर्कसंगत बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक डेटा उपलब्ध है कि 2050 तक पृथ्वी पर गर्मी 'चिंताजनक' स्तर पर पहुंच जाएगी। जोशी ने कहा, अगर हम सचेत नहीं हुए और कम ताप पैदा करने वाले विद्युत मॉड्यूल का उपयोग नहीं किया तो हम उस स्थिति तक 2030 तक भी पहुंच सकते हैं।

मल्लिकार्जुन खरगे और सिद्दरामय्या को ठेकेदार का सुसाइड नोट भेजेगी भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी की कर्नाटक इकाई ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह ठेकेदार के सुसाइड नोट की प्रतियां वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं समेत मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को भेजेगी और इस मामले में मंत्री प्रियंक खरगे का नाम होने के मुद्दे को उठाएगी। यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि जब तक प्रियंक खरगे को मंत्रिमंडल से नहीं हटाया जाता, पार्टी चुप नहीं बैठेगी।

उन्होंने कहा, ''प्रियंक खरगे, आप इस मामले से बच नहीं सकते। चाहे पूरा मंत्रिमंडल आपके समर्थन में हो, तब भी आप बच नहीं सकते।'' भाजपा नेता ने कहा, ''हम सुसाइड नोट की प्रतियां मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, कांग्रेस नेताओं – मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी को रजिस्टर पोस्ट से भेजेंगे।'' उन्होंने सिद्दरामय्या से प्रियंक खरगे को कैबिनेट से हटाने की मांग की और आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। इस बीच, कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार खरगे के खिलाफ कार्रवाई करने में असमर्थ है।

ठेकेदार सचिन पांचाल ने 26 दिसंबर को बीदर जिले में चलती ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली थी। पांचाल ने अपने सुसाइड नोट में प्रियंक खरगे के करीबी सहयोगी राजू कपनूर पर उन्हें यह कदम उठाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। कपनूर ने सभी आरोपों को खारिज किया है।

लाभांश

बेंगलूरु में गुरुवार को विधानसौधा में ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को केआरईडीएल की ओर से वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान अर्जित 40,53,59,320 रुपये का लाभांश चेक प्रदान किया। कर्नाटक अक्षय ऊर्जा विकास लिमिटेड (केआरईडीएल) ने 2023-24 में □135.12 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जिसमें 30 प्रतिशत लाभांश की राशि 40,53,59,320 रुपये घोषित की गई। इस मौके पर विधायक और केआरईडीएल के अध्यक्ष टी.डी. राजेगौड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा गौरव गुप्ता, और केआरईडीएल के प्रबंध निदेशक डॉ. के.पी. रुद्रप्पाय्या उपस्थित थे।

मंत्रिमंडल ने बस किराया 15 प्रतिशत बढ़ाने का फैसला किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार के स्वामित्व वाले परिवहन निगमों के बस किराये में 15 प्रतिशत की वृद्धि करने का निर्णय लिया। कर्नाटक के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल ने कहा कि ईंधन की कीमतों और कर्मचारियों पर खर्च में वृद्धि जैसी परिचालन लागत में भारी बढ़ोतरी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। पाटिल ने यहां संवाददाताओं से कहा, मंत्रिमंडल ने चार राज्य परिवहन निगमों- कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी), उत्तर पश्चिम कर्नाटक सड़क परिवहन निगम (एनडब्ल्यूकेआरटीसी), कल्याण कर्नाटक सड़क परिवहन निगम (केकेआरटीसी) और बेंगलूरु महानगर परिवहन निगम (बीएमटीसी) के बस किराये में 15 प्रतिशत की वृद्धि करने का निर्णय लिया है।''

मंत्री ने कहा कि यह निर्णय पांच जनवरी से लागू होगा। उन्होंने कहा कि बीएमटीसी का बस किराया 10 जनवरी, 2015 को बढ़ाया गया था जब डीजल की कीमत 60.90 रुपये प्रति लीटर थी। पाटिल ने बढ़ोतरी को उचित ठहराते हुए कहा, चारों निगमों की रोजाना डीजल खपत 10 साल पहले 9.16 करोड़ रुपये थी, जो अब बढ़कर 13.21 करोड़ रुपये हो गई है। इन चारों निगमों में कर्मचारियों पर प्रतिदिन 12.95 करोड़ रुपये का खर्च होता था, जो बढ़कर 18.36 करोड़ रुपये प्रतिदिन हो गया है। इसलिए संशोधन जरूरी था।

उन्होंने कहा कि 'शक्ति' गारंटी योजना जारी रहेगी।

पिनराई विजयन का सनातन धर्म पर बयान बिल्कुल स्पष्ट : गोविंदन

तिरुवनंतपुरम। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की केरल इकाई के सचिव एमवी गोविंदन ने बृहस्पतिवार को कहा कि समाज सुधारक श्री नारायण गुरु को 'सनातन धर्म' से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है जो 'चतुर्वर्ण्य' प्रणाली पर आधारित है। गोविंदन ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की उस टिप्पणी का समर्थन किया कि 'एक जाति, एक धर्म और सभी के लिए एक ईश्वर' का उपदेश देने वाले गुरु को सनातन धर्म के समर्थक के रूप में चित्रित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, शिवगिरी तीर्थयात्रा के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री का दिया बयान स्पष्ट है और सभी को स्वीकार्य होना चाहिए। माकपा नेता ने राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीशन के बुधवार को शिवगिरी में दिए गए भाषण की आलोचना की जिसमें उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री का बयान सनातन धर्म के अधिकार को केवल संघ (राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ) परिवार को सौंपने के समान है।

युवा 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने में अपनी भागीदारी निभाएं : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने युवाओं का आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में स्वरोजगार और आत्मनिर्भर भारत से जुड़कर 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने में अपनी भागीदारी निभाएं। बागडे ने गुरुवार को महाराष्ट्र के लातूर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 59 वें देवगिरी राज्य सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कहा कि देश की जीडीपी में लगभग 34 प्रतिशत योगदान युवाओं का है। एबीवीपी 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ राष्ट्र के विकास में विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं को जोड़ने की पहल करे। उन्होंने इस संगठन के जरिए गांव और शहर का भेद मिटाते हुए देश के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य करने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास' से भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए सब मिलकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि जब युवा अपने विचारों और ऊर्जा का योगदान राष्ट्र की समृद्धि में करेगा तो निश्चित ही अच्छे परिणाम सामने आएंगे।

बागडे ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक जड़ों को खोखला करने के लिए मैकाले द्वारा देश की शिक्षा पद्धति को बदला गया। होना तो यह चाहिए था कि देश में 15 अगस्त, 1947 को जिस तरह से झंडा बदला गया था वैसा ही शिक्षा व्यवस्था में भी बदलाव होना चाहिए था, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। इसलिए हम आज भी इसका परिणाम भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1986 में जो शिक्षा नीति बनी, उसके 34 वर्ष बाद 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का निर्माण ऐतिहासिक पहल है। इसमें भारतीयता को सर्वोच्च महत्व दिया गया। यह नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर तैयार की गयी है। यह स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाली है।

राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्परा के साथ आधुनिक सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर इसे तैयार करने की चर्चा करते हुए कहा कि युवाओं को राष्ट्र विकास के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि इस संगठन की बलराज मधोक जी की पहल पर इसलिए स्थापना हुई कि इससे राष्ट्रोत्थान के लिए कार्य किया जा सके। उन्होंने देवगिरी राज्य सम्मेलन को महत्वपूर्ण बताया।

कई हिस्सों में सर्दी का प्रकोप जारी

जयपुर। राजस्थान के कई इलाकों में सर्दी और कोहरे का प्रकोप बृहस्पतिवार को भी जारी रहा। जयपुर मौसम केन्द्र के अनुसार, राज्य में कुछ स्थानों पर बृहस्पतिवार को घना कोहरा छाया रहा। केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि राज्य में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 28.0 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में दर्ज किया गया। राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान सीकर के फतेहपुर में 3.6 डिग्री दर्ज किया गया।

राज्य के एकमात्र पर्वतीय पर्यटक स्थल माउंट आबू में रात का तापमान 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं मैदानी इलाकों में श्रीगंगानगर में 5.3 डिग्री, चूरू में 5.4 डिग्री, बीकानेर और चूरू में 5.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। राज्य की राजधानी जयपुर में बृहस्पतिवार सुबह 7.7 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। अन्य सभी प्रमुख शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया।

घरेलू विवाद में पत्नी का सिर फोड़ा, मौत

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र में बुधवार को घरेलू विवाद के बाद पति ने कथित तौर पर पत्नी के सिर पर भारी चीज से वार कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। गंगापुर के पुलिस उपाधीक्षक रविंद्र प्रताप ने बताया कि घटना झूमपुरा गांव में बुधवार को दोपहर करीब डेढ़ बजे की है और आरोपी बद्रीलाल (45) को हिरासत में ले लिया है। उन्होंने बताया कि महिला प्रेम देवी (42) के शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है। परिजनों के यहां पहुंचने पर बृहस्पतिवार को पोस्टमार्टम करवाया जायेगा। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

निजी बस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रकों को टक्कर मारी

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में बृहस्पतिवार सुबह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे वे पर एक निजी बस ने पहले से आपस में टकराए दो ट्रकों को टक्कर मार दी, जिसमें बस में सवार करीब 45 यात्री घायल हो गए। पुलिस उपाधीक्षक चारूल गुप्ता ने बताया कि घने कोहरे के चलते उज्जैन से दिल्ली जा रही श्रृद्धालुआ की बस पहले से दुर्घटनाग्रस्त ट्रकों से जा टकराई जिससे बस में सवार करीब 45 यात्री घायल हो गए। उन्होंने बताया कि 20 से अधिक घायलों को दौसा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं चार गंभीर घाायलों को जयपुर रेफर किया गया ।

माफी काफी नहीं, मणिपुर के मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मणिपुर में जातीय संघर्ष के लिए पूर्वोत्तर राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह द्वारा 'माफी' मांगे जाने के एक दिन बाद बुधवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा कि माफी मांगना काफी नहीं है, अगर वह मानते हैं कि स्थिति को संभालने में नाकाम रहे तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री ने मणिपुर की अनदेखी करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा। गहलोत ने संवाददाताओं से कहा, मुख्यमंत्री ने लोगों से माफी मांगी है। माफ ही काफी नहीं है। मणिपुर में जो हुआ, वह इतिहास में देश के किसी अन्य राज्य में कभी नहीं हुआ। केंद्र सरकार ने कुछ नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वहां नहीं गए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से (कोविड-19 महामारी के दौरान) थाली बजाने के लिए कहा था और लोगों ने उनकी बात सुनी। इसलिए, अगर वह वहां गए होते तो दोनों समुदायों के लोग उनकी बात सुनते। उन्होंने एक राज्य को पूरी तरह से अनदेखा कर दिया। गहलोत की टिप्पणी मणिपुर में जातीय संघर्ष के लिए सिंह द्वारा माफी मांगने के एक दिन बाद आई। इस हिंसा में मई 2023 से 250 से अधिक लोगों की जान चली गई और हजारों लोग बेघर हो गए है।

सिंह ने इंफाल में संवाददाताओं से कहा था, मैं राज्य में जो कुछ हुआ उसके लिए खेद व्यक्त करना चाहता हूं। कई लोगों ने अपनों को खो दिया और कई लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा। मैं खेद व्यक्त करता हूं और माफी मांगता हूं। लेकिन पिछले तीन-चार महीनों में अपेक्षाकृत शांति देखने के बाद, मुझे उम्मीद है कि आने वाले साल में स्थिति सामान्य हो जाएगी। उन्होंने कहा, जो हुआ सो हुआ... मैं सभी समुदायों से माफ करने की अपील करना चाहता हूं और पिछली गलतियों को भूल जाओ। शांतिपूर्ण और समृद्ध मणिपुर में एक साथ रहकर नए सिरे से जीवन शुरू करें। गहलोत ने कहा, मुख्यमंत्री 18 माह के खून-खराबे के बाद अब माफी मांग रहे हैं। मुझे नहीं पता कि वह क्या संदेश देना चाहते हैं। अगर वह स्थिति को संभालने में नाकाम रहे थे तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए था। कांग्रेस नेता ने अशांति के लिए केंद्र और मणिपुर सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा, क्या केंद्र मुख्यमंत्री को नहीं बदल सकता था? हालांकि यह कोई बड़ी बात नहीं होती, लेकिन हिंसा तो रुक जाती। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह ने बहुत बड़ा अपराध किया है। उन्होंने मणिपुर को ऐसे अनदेखा किया जैसे मानो वह भारत का हिस्सा ही न हो।

प्रधानमंत्री को वहां जाना चाहिए था। राजस्थान सरकार पर निशाना साधते हुए गहलोत ने कहा कि राज्य में नौ जिले समाप्त कर दिए गए, लेकिन इस पर कोई चर्चा नहीं कर रहा। उन्होंने कहा, ऐसे मामलों में लोगों की सुविधा का ध्यान रखना चाहिए, खर्च का नहीं। जयपुर मेट्रो शुरू की गई, लेकिन जब हमारी सरकार बदली तो कहा गया कि इसमें पैसा बर्बाद हुआ। जयपुर को मेट्रो की जरूरत नहीं थी, यह घाटे का सौदा है। इसलिए मैंने कहा कि दुनिया भर में चल रही मेट्रो घाटे का सौदा है, लेकिन जनता को सुविधा देने के लिए इन्हें चलाना होगा।

राजस्थान सरकार ने हाल ही में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा गठित नौ जिलों को समाप्त कर दिया और कहा कि ये न तो व्यावहारिक हैं और न ही जन हित में हैं। शनिवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में तीन नए संभाग भी समाप्त कर दिए गए।

इधर-उधर की बात ना करें अशोक गहलोत, ये बताएं खुद का कारवां क्यों लुटा? : अग्रवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सरकार को नकारा-निकम्मी कहने, मणिपुर के सीएम के वहां की हिंसा पर माफी मांगने को लेकर दिए बयान पर कहा कि जनता उनको चुनावों में पहले ही बता चुकी है, कि सरकार किसकी नकारा-निकम्मी थी।

अग्रवाल ने बुधवार को यहां प्रदेश कार्यालय में पदाधिकारियों की बैठक ली। इसके बाद मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में गहलोत के सरकार को नकारा-निकम्मी कहने, मणिपुर के सीएम के वहां की हिंसा पर माफी मांगने को लेकर दिए बयान पर कहा कि जनता उनको चुनावों में पहले ही बता चुकी है, कि सरकार किसकी नकारा-निकम्मी थी। गहलोत पर मैं बोलू तो अच्छा नहीं। वे इधर-उधर की बात ना करें, ये बताएं उनका खुद का कारवां क्यों लुटा था। चुनावों को जनता ने उनको बता दिया है कि उन्होंने प्रदेश के लिए कितनी मेहनत की थी। प्रदेश का चुनाव अब चार साल बाद है। इस चुनाव में सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हम 160-170 सीटें जीतकर आएंगे। गहलोत पराजय बोध में है।

बैठक में संगठन चुनावों के साथ ही निकाय चुनावों पर चर्चा: अग्रवाल की ली गई संगठन पदाधिकारियों की बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी मौजूद रहे। संगठन चुनावों के प्रदेश संयोजक नारायण पंचारिया ने अब तक हुए संगठन चुनावों की जानकारी दी। अग्रवाल ने समय पर चुनाव पूरे करने के निर्देश दिए। राठौड़ ने प्रदेश में पार्टी की गतिविधियों की जानकारी दी। बैठक में आगामी निकाय चुनावों की भी चर्चा हुई है। अग्रवाल ने इसकी अभी से रणनीति बनाकर जीत के लिए काम करने की जरूरत बताई।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पिछले एक साल में जो क्रांतिकारी कार्य किए है, वो आज तक किसी भी सरकार ने नहीं किए। राजस्थान के विकास के नए आयाम स्थापित किए। अपराध पर अंकुश लगाया, भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्रदान किया। समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने के लिए योजनाओं का क्रियान्वयन करने का एतिहासिक कार्य हुआ। तय है कि अगले विधानसभा चुनावों में भी भारी बहुमत के साथ सरकार बनेगी।

उत्कर्ष कोचिंग संस्थान पर आईटी की रेड : फीस में टैक्स चोरी पर कार्रवाई, छात्रों को क्लासेस से बाहर निकाला

जयपुर। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने वाले उत्कर्ष कोचिंग संस्थान पर शुक्रवार को आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। टैक्स चोरी के आरोपों के चलते जयपुर, जोधपुर, दिल्ली, इंदौर और अन्य स्थानों पर एक साथ आयकर विभाग की टीमों ने रेड डाली। छापेमारी के दौरान सेंटर्स पर क्लासेज चल रही थीं। जैसे ही आयकर टीमों ने संस्थानों में प्रवेश किया, छात्रों और स्टाफ के बीच अफरा-तफरी मच गई। टीमों ने तत्काल छात्रों को क्लासरूम से बाहर निकाल दिया और पूरे परिसर को कब्जे में ले लिया।

छापेमारी के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए संस्थानों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। आयकर विभाग के अधिकारियों ने फीस से संबंधित दस्तावेजों और अन्य रिकॉर्ड की जांच शुरू की। सूत्रों के अनुसार, उत्कर्ष कोचिंग संस्थान पर फीस के माध्यम से टैक्स चोरी करने का आरोप है। आयकर विभाग इस बात की पड़ताल कर रहा है कि संस्थान ने अपनी आय का पूरा विवरण सरकार को दिया था या नहीं। इस कार्रवाई के बाद छात्रों और उनके अभिभावकों में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। कई अभिभावक इस बात को लेकर चिंतित हैं कि इस घटना का छात्रों की पढ़ाई पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

केकड़ी जिला समाप्ति के विरोध में बार एसोसिएशन का आंदोलन, मुंडन करवाकर निकाली आक्रोश रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केकड़ी। केकड़ी जिले को समाप्त करने के विरोध में गुरुवार को जिला यथावत रखने की मांग को लेकर बार एसोसिएशन के बैनर तले जिला बचाओ आंदोलन शुरू किया गया। इसके तहत शहर में आक्रोश रैली निकाली गई। इस दौरान कोर्ट परिसर में केकड़ी जिला रद्द करने के विरोध में शहर के नौ युवकों ने सिर के बाल कटाकर मुंडन कराकर सरकार के फैसलें के खिलाफ तीव्र आक्रोश प्रकट किया। सुबह बार एसोसिएशन के सभी अधिवक्ता कोर्ट परिसर में एकत्रित हुए। जहां से वे नारेबाजी करते हुए तीन बत्ती तिराहा, अजमेरी गेट, घंटाघर, सदर बाजार, सरसड़ी गेट, बस स्टैंड होते हुए उपखंड कार्यालय पहुंचे और केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर प्रशिक्षु आरएएस श्रद्धा सिंह को प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम लिखा ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि केकड़ी जिला भौगोलिक व हर दृष्टि से जिले के मापदंड पूरा करता है। केकड़ी को जिला बने करीब 17 महीने का समय हो गया है। यहां पर सभी तरह के जिला कार्यालय सरकारी भवनों में ही संचालित थे। लोगों को जिला स्तरीय सुविधाएं मिलना शुरू हो गई थी। लोगों के काम आसानी से हो रहे थे। इसके बावजूद केकड़ी जिले को सरकार ने हटा दिया। यह सरकार का जन विरोधी फैसला है।

ज्ञापन में बताया कि डीग, सलूंबर, कोटपूतली-बहरोड सहित कई छोटे जिले ऐसे हैं, जिनको सरकार ने बरकरार रखा है। जबकि केकड़ी जिले को हटाकर केकड़ी के लोगों के साथ अन्याय किया है। ज्ञापन के माध्यम से केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग की गई है। ज्ञापन के दौरान बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट मनोज आहूजा सहित सैकड़ों पदाधिकारी व अधिवक्ता मौजूद थे।

रैली सम्पन्न होने के बाद कोर्ट परिसर में सरकार के फैसलें के विरोध में कई युवाओं ने मुंडन कराया।

मुंडन कराने वालों में सुरेंद्र चौधरी, एडवोकेट शिव प्रकाश चौधरी, राहुल राव, जोधाराम जाट, किसान मोर्चा के अध्यक्ष ग्राम आलोली के धर्मराज मीणा, आलोली के रंगलाल मीणा, किशनलाल चौधरी, ग्राम काली तलाई का खेड़ा के हेमराज चौधरी एवं ग्राम कुमावतों का नयागांव के हंसराज कुमावत शामिल है।

'भारतीय संविधान: भारत की आत्मा' विषय पर व्याख्यान सत्र और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शांति एवं अहिंसा निदेशालय और बियानी लॉ कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर संविधान के अमृत महोत्सव अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों की श्रंखला में गुरुवार को ''भारतीय संविधान : भारत की आत्मा'' विषय पर व्याख्यान सत्र और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने दीप प्रज्वलित कर की। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने संविधान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा संविधान न्याय, समानता और भाईचारे जैसे आदर्शों को सुनिश्चित करता है। उन्होंने नागरिकों के अधिकारों के साथ-साथ उनके कर्तव्यों पर भी बल दिया और कहा कि प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व है कि वह संविधान में निहित मूल्यों का पालन करे। उन्होंने कहा कि संविधान हमें समानता, भाईचारे और आपसी सद्भावना के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है, जो एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण की नींव है।

सांसद श्रीमती मंजू शर्मा ने भारत माता के जयकारों के साथ अपने भाषण की शुरुआत की। उन्होंने अपने संबोधन में महिलाओं के संविधान निर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारा संविधान हर व्यक्ति को यह अधिकार प्रदान करता है कि वह अपने विचार स्वतंत्र रूप से समाज के सामने व्यक्त कर सके। सांसद ने यह भी उल्लेख किया कि कई लोग संविधान के अधिकार प्राप्त होने के बावजूद इसका पर्याप्त ज्ञान नहीं रखते और उसका उचित सम्मान नहीं करते। उन्होंने स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया और पौधरोपण को प्रोत्साहित करने की बात कही।

शांति एवं अहिंसा विभाग के शासन सचिव वी. सरवन कुमार ने संविधान पढ़ने और उसे समझने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि संविधान हमें न केवल हमारे अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जानकारी देता है, बल्कि यह सामाजिक समरसता और विकास के मार्ग को भी प्रशस्त करता है। शांति एवं अहिंसा निदेशालय के निदेशक अजय असवाल ने संविधान और महात्मा गांधी के विचारों के बीच गहरे संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गांधीजी के आदर्शों ने संविधान को शांति और अहिंसा के सिद्धांतों पर आधारित एक मजबूत दस्तावेज बनाने में प्रेरणा दी। बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के निदेशक डॉ. संजय बियानी ने महात्मा गांधी के आदर्शों का उल्लेख करते हुए कहा कि शांति और अहिंसा हमारे जीवन के मूलभूत मूल्य हैं। कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान सत्र और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रों में संविधान के प्रावधानों के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से शांति एवं अहिंसा निदेशालय द्वारा प्रश्नोतरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में दो टीमो के समान अंक आने पर टाई ब्रेकर के माध्यम से विजेता का निर्णय किया गया।

कांग्रेस की मजबूत जड़ों के कारण जुड़ रहे कार्यकर्ता, सरकार को मिलकर चेताएंगे : तिवाड़ी

जयपुर। जयपुर शहर कांग्रेस कमेटी की बैठक पीसीसी मुख्यालय में हुई। जयपुर जिलाध्यक्ष आरआर तिवाड़ी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जनहित के मुद्दों पर भाजपा सरकार के खिलाफ साल भर चलाई जाने वाली गतिविधियों पर चर्चा हुई। बैठक में जयपुर शहर कांग्रेस के पदाधिकारी, पार्षद, पार्षद प्रत्याशी, सभी 8 विधानसभा के ब्लॉक, वार्ड और मंडल अध्यक्ष सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। तिवाड़ी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस की अभी देश में 3 राज्यों में ही सरकार बची है, लेकिन कांग्रेस की जड़ें आज भी इतनी मजबूत हैं कि कार्यकर्ता पार्टी में जुड़कर काम करना चाहता है। भाजपा सरकार के आते ही लोग कांग्रेस को इस आस के साथ देखने लगे हैं कि उनकी पीड़ा के लिए हम संघर्ष करेंगे। भाजपा सरकार में लोगों का जीना दूभर हो गया है। पुरानी जनकल्याणकारी योजनाएं बंद करने की कोशिश की जा रही है।

मंहगाई और बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। कानून व्यवस्था लचर हो गयी है। एक साल में बिना कोई उपलब्धि वाली सरकार के पास जनता की समस्याओं को सुनने का समय नहीं है।

इनके मंत्री विधायक आपस में ही लड़ रहे और खुद के काम नहीं होने के आरोप लगा रहे हैं, तो जनता के काम कैसे होंगे।

पटवारी 8 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

अजमेर। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर अजमेर इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुये मुकेश चौधरी पटवारी, पटवार हल्का सनोदिया, तहसील सरवाड़, जिला अजमेर को परिवादी से 8 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की हैल्पलाईन नं0 1064 पर परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी पैतृक कृषि भूमि का विरासत का नामान्तकरण खोलने की एवज में आरोपी मुकेश चौधरी पटवारी द्वारा 10 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है।

जिस पर एसीबी अजमेर के उप महानिरीक्षक पुलिस कालूराम रावत के सुपरवीजन में एसीबी की अजमेर इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचन्द के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया आरोपी मुकेश चौधरी पटवारी को परिवादी से 8 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

बंगाल को अस्थिर करने के इरादे से घुसपैठियों को भारत में घुसने दे रही है बीएसएफ : ममता का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को सीमा सुरक्षा बल पर राज्य को अस्थिर करने के लिए केंद्र सरकार के ब्लूप्रिंट के तहत बांग्लादेश से घुसपैठ कराने का आरोप लगाया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने हालांकि इस आरोप का खंडन करते हुए कहा कि वह देश की सीमा की पूरी मुस्तैदी से सुरक्षा करता है।

राज्य सचिवालय में एक प्रशासनिक समीक्षा बैठक में बनर्जी ने आरोप लगाया कि बीएसएफ इस्लामपुर, सिताई और चोपड़ा जैसे इलाकों से घुसपैठियों को घुसने दे रहा है। उन्होंने कहा, हमें जानकारी मिली है कि बीएसएफ विभिन्न सीमावर्ती इलाकों से घुसपैठियों को भारत में घुसने दे रहा है। यह राज्य को अस्थिर करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है। इसमें केंद्र सरकार की गहरी साजिश शामिल है। उन्होंने कहा कि उन्हें बीएसएफ के इस रवैये के पीछे केंद्र का ब्लूप्रिंट नजर आ रहा है।

बनर्जी ने कहा, गुंडे भारत में घुस रहे हैं। मैं सीमा के दोनों तरफ शांति चाहती हूं। पड़ोसी बांग्लादेश के साथ हमारे अच्छे संबंध हैं। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने आरोप लगाया कि बीएसएफ द्वारा महिलाओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने बैठक में मौजूद अधिकारियों से पूछा, वे (बीएसएफ) महिलाओं को प्रताड़ित करते हैं, लेकिन आपने विरोध क्यों नहीं किया? बनर्जी ने इस बात पर जोर दिया कि सीमा सुरक्षा राज्य की जिम्मेदारी नहीं है। उन्होंने कहा, सीमाओं की रखवाली हमारे हाथ में नहीं है। यह बीएसएफ का काम है। तृणमूल कांग्रेस सीमा की रखवाली नहीं करती। जब लोग घुसते हैं तो वे कहां जाते हैं? डीएम को जानकारी होती है कि वे कहां जा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने बीएसएफ पर लगाये गये आरोपों को लेकर ममता बनर्जी पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बीएसएफ के खिलाफ लगाए उनके आरोपों को लेकर बृहस्पतिवार को निशाना साधा और कहा कि वह (मुख्यमंत्री) इस कदर 'भ्रम' में हैं जिसकी कोई सीमा नहीं है।

बनर्जी ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर बांग्लादेश से घुसपैठियों को भारत में घुसने देने और राज्य को अस्थिर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। उनके इस बयान पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ने यह टिप्पणी की। बनर्जी ने कहा कि उन्हें बीएसएफ के इस रवैये के पीछे केंद्र सरकार का ब्लूप्रिंट नजर आ रहा है। मजूमदार ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए 'एक्स' पर एक बयान में कहा कि राज्य की ''असफल'' मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कदर 'भ्रम' में हैं जिसकी कोई सीमा नहीं है। उन्होंने कहा, ''सीमा पर निगरानी के लिए चौकियां स्थापित करने के लिए भूमि उपलब्ध न कराने के बावजूद वह अवैध घुसपैठ के लिए सीमा सुरक्षा बल को दोषी ठहराती रहती हैं। लेकिन अब उन्होंने आरोपों की सभी हदें पार करते हुए अपने ही प्रशासन के अधिकारियों पर आरोप लगाना शुरू कर दिया है।'' मजूमदार ने आरोप लगाया कि बनर्जी के अनुसार, उनके प्रशासन के तहत ''अक्षम'' जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक विदेशी अपराधियों को उनकी पार्टी के निर्वाचित प्रतिनिधियों की हत्या करने के लिए सीमा पर घुसपैठ करने की अनुमति दे रहे हैं। भाजपा नेता ने पूछा, ''अब तक वे इस तरह की घटनाओं के लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराती थीं। लेकिन ममता बनर्जी के बयान में अचानक यह बदलाव क्यों आया? क्या वे ऐसे दावे करके अपनी पार्टी के लुटेरे, अपराधी प्रतिनिधियों के कुकृत्यों को छिपाने की कोशिश कर रही हैं?''

मणिपुर : सैन्य अड्डे से लापता हुए व्यक्ति के घर के बाहर हथगोला मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर में नवंबर में लेइमाखोंग सैन्य अड्डे से कथित तौर पर लापता हुए लैशराम कमलबाबू सिंह के घर के बाहर बृहस्पतिवार को एक हथगोला मिला, जिससे इलाके में दहशत फैल गई।

पुलिस ने बताया कि हथगोला इंफाल वेस्ट जिले के लोइतांग खुनौ में सिंह के घर के दरवाजे के पास मिला, जिसे बाद में निष्क्रिय कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, हथगोले के साथ एक नोट भी मिला था, जिसमें लिखा था कि लापता व्यक्ति को लेकर गठित संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) को भंग कर दिया जाना चाहिए और एक नई जेएसी का गठन किया जाना चाहिए। इसमें यह भी लिखा था, जमीन की बिक्री करने वाला कोई भी ठेकेदार जेएसी का हिस्सा नहीं हो सकता। जेएसी 25 नवंबर को सिंह के लापता होने के बाद से जारी विरोध-प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहा है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने पिछले हफ्ते दावा किया था कि सिंह सैन्य अड्डे से लापता हो गया। उन्होंने कहा था कि मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंप दिया जाएगा। सेना के अनुसार, असम के कछार जिले का मूल निवासी सिंह 57वीं माउंटेन डिवीजन के लीमाखोंग सैन्य अड्डे में सैन्य इंजीनियरिंग सेवा (एमईएस) के साथ काम करने वाले एक ठेकेदार के लिए कार्य पर्यवेक्षक था। पुलिस ने पहले कहा था कि मेइती समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सिंह की तलाश के लिए 2,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है।

त्रिपुरा में शिक्षक-छात्र अनुपात में 'बड़े अंतर' को दूर किया जाएगा: साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रदेश सरकार विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य में शिक्षक-छात्र अनुपात में 'बड़े अंतर' को दूर करेगी।

मुख्यमंत्री ने गोमती जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार विद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को ठीक से लागू करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, हम अपने विद्यार्थियों को अच्छी तरह से तैयार करने के लिए परिकल्पित राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। (त्रिपुरा में) शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच एक बड़ा अंतर रहा है। कई विद्यालयों में प्रधानाध्यापक नहीं हैं। मैंने इस कमी को दूर करने के लिए शिक्षा और वित्त विभागों के सचिवों से बात की है। शिक्षा विभाग का भी प्रभार संभाल रहे साहा ने कहा कि सरकार विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, पहले हम पश्चिम बंगाल बोर्ड और कलकत्ता विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम पढ़ाते थे, जिसके परिणामस्वरूप विद्यार्थियों को राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा करने के लिए अधिक अध्ययन करना पड़ता था। अब यह समस्या दूर हो गई है। सरकार ने पहले ही एनसीईआरटी पाठ्यक्रम शुरू कर दिया है, जिससे राज्य के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में प्रतिस्पर्धा करने में बढ़त मिल रही है। मुख्यमंत्री ने पूर्वोत्तर राज्य में शिक्षा क्षेत्र में हुए विकास को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा, वर्तमान में राज्य में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित एमबीबी विश्वविद्यालय और त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा छह निजी विश्वविद्यालय हैं। अब राज्य के बाहर से भी छात्र यहां पढ़ने के लिए आ रहे हैं। त्रिपुरा विश्वविद्यालय केंद्र सरकार द्वारा संचालित है। साहा ने नौवीं कक्षा की छात्राओं को मुफ्त साइकिल वितरित किए जाने की पहल को भी रेखांकित किया। छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षा विभाग ने पिछले साल नौवीं कक्षा की छात्राओं के बीच 1.30 लाख साइकिलें बांटी हैं। एक छात्रा के लिए साइकिल बहुत मायने रखती है, जिससे वह आसानी से स्कूल जा सकती है।

लालू यादव से मुलाकात के सवाल पर भड़के राज्यपाल आरिफ मो. खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने बृहस्पतिवार को मीडिया के एक वर्ग में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद से उनकी मुलाकात के बारे में उठाए जा रहे सवालों पर नाराजगी जताई।

पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन द्वारा पद की शपथ दिलाए जाने के तुरंत बाद खान ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए अपनी निराशा जाहिर की। खान से बुधवार शाम को लालू प्रसाद के आवास पर हुई मुलाकात के बारे में पूछा गया था। इससे पहले राजद अध्यक्ष के बेटे तेजस्वी यादव ने राजभवन में खान से मुलाकात की थी। खान के शपथ ग्रहण समारोह में तेजस्वी यादव भी मौजूद थे।

खान ने पत्रकारों से कहा, आप मुझे एक बात बताएं। अगर आप किसी जगह जाते हैं और आपके पुराने परिचित हैं, तो क्या आप उनसे मिलना नहीं चाहेंगे? इसी तरह, क्या मैं उन लोगों के साथ कुछ समय बिताना नहीं चाहूंगा जिन्हें मैं 1975 से जानता हूं? मुझे आश्चर्य है कि इसमें क्या संदिग्ध है। उन्होंने मीडिया से 'सभी चीजों को राजनीति के चश्मे से न देखने' का आग्रह करते हुए कहा कि वह बिहार में एक शानदार कार्यकाल की उम्मीद करते हैं, जहां वह एक 'सेवक' के रूप में आए हैं। राज्यपाल ने कहा, बिहार का एक शानदार और गौरवशाली इतिहास है। बिहार के लोगों में जबरदस्त क्षमता है। आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि वे पूरे देश की व्यवस्था चला रहे हैं। मैं यहां एक सेवक के तौर पर आया हूं। उन्होंने कहा, अपने गौरवशाली इतिहास के संदर्भ में बिहार बेमिसाल है और अगर हम भविष्य के संदर्भ में सोचें तो इसमें जबरदस्त संभावनाएं भी हैं।

बिहार : 'इंडि' गठबंधन में शामिल होने के सवाल पर नीतीश कुमार का गोलमोल जवाब

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद के विपक्षी गठबंधन 'इंडि' में वापस आने के प्रस्ताव पर गोलमोल जवाब दिया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, क्या बोल रहे हैं।

राजभवन में नये राज्यपाल के तौर पर आरिफ मोहम्मद खान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए कुमार से जब लालू प्रसाद के नये प्रस्ताव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने हाथ जोड़कर मुस्कुराते हुए बस इतना ही कहा, 'क्या बोल रहे हैं'। खान और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ खड़े कुमार से जब यह पूछा गया कि क्या राज्य सरकार अपना कार्यकाल पूरा कर पाएगी, तो नवनियुक्त राज्यपाल ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, इस तरह के सवाल पूछने का यह सही समय नहीं है। आज खुशी का दिन है। हमें सिर्फ अच्छी चीजों के बारे में बात करनी चाहिए। पिछले एक दशक के दौरान कुमार दो बार विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दल राजद के साथ गठबंधन कर चुके हैं। वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पिता लालू यादव की टिप्पणियों पर सफाई देते हुए दावा किया कि राजद सुप्रीमो ने केवल मीडिया की जिज्ञासा को संतुष्ट करने का प्रयास किया था। लालू प्रसाद ने एक टीवी चैनल से कहा था, हमारे दरवाजे (नीतीश के लिए) खुले हैं। उन्हें भी अपने दरवाजे खोल देने चाहिए। इससे दोनों तरफ के लोगों की आवाजाही आसान हो जाएगी। राजभवन में नए राज्यपाल के तौर पर आरिफ मोहम्मद खान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए यादव ने कहा, मैंने पहले ही अपना रुख स्पष्ट कर दिया है।

एक हजार करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले में बंगाल में आठ स्थान पर ईडी की छापेमारी

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने तमिलनाडु में 1,000 करोड़ रुपए से अधिक की साइबर धोखाधड़ी से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल में आठ स्थानों पर छापेमारी शुरू की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोलकाता के पार्क स्ट्रीट, साल्ट लेक और बागुइहाटी इलाकों में पांच जगहों और विभिन्न जिलों में तीन अन्य स्थानों पर एक साथ शुरू की गई छापेमारी जारी है।

अधिकारी ने कहा कि साल्ट लेक इलाके में छापेमारी के दौरान ईडी के अधिकारियों ने पूछताछ के लिए एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमारे अधिकारी अब बागुइहाटी में एक उच्च श्रेणी के आवासीय परिसर के एक फ्लैट पर छापेमारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत के राज्यों के कई लोग अपराध में शामिल पाए गए हैं।

नए साल में बंगाल का बकाया चुकाया जाए, प्रधानमंत्री मणिपुर का दौरा करें: डेरेक ओ'ब्रायन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र सरकार को नए साल में पश्चिम बंगाल का मनरेगा का बकाया चुकाना चाहिए और मणिपुर में हिंसा तथा देश में महंगाई पर अंकुश लगाने और बेरोजगारी जैसे मुद्दों के समाधान के लिए कदम उठाने चाहिए।

अपने ब्लॉग में एक पोस्ट में तृणमूल नेता ने 25 चीजें सूचीबद्ध करते हुए कहा कि केंद्र को 2025 में इन्हें करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि महंगाई को नियंत्रित करना पहला कदम होना चाहिए। तृणमूल नेता ने यह भी कहा कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि सुनिश्चित करना, विदेशी निवेश आकर्षित करना, रुपए को मजबूत बनाना, ''सभी के लिए भोजन'' प्रदान करना और समान वेतन सुनिश्चित करने जैसे आर्थिक उपाय केंद्र सरकार को करने चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र को ''आम आदमी'' के हित में काम करना चाहिए। ओ'ब्रायन ने कहा कि पिछले चार वर्षों में, औद्योगिक क्षेत्र के लिए कुल 5.65 लाख करोड़ रुपए की राशि माफ की गई है, जबकि सबसे बड़ा रोजगार पैदा करने वाले कृषि क्षेत्र पर अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से ऋण माफ़ी के मामले में सबसे कम ध्यान दिया गया। केंद्र से पश्चिम बंगाल का बकाया चुकाने की मांग करते हुए राज्यसभा में तृणमूल संसदीय दल के नेता ओ'ब्रायन ने कहा कि केंद्र सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राज्य का 1,500 करोड़ रुपए बकाया है। उन्होंने कहा, ''धन का भुगतान न होने से 59 लाख मनरेगा श्रमिकों की आजीविका पर सीधा असर पड़ा है।''

मणिपुर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां एक साल से अधिक समय से हिंसा जारी है, जिसके कारण 67,000 लोगों का विस्थापन हुआ है जिनमें 14,000 स्कूली छात्र हैं।

ओ'ब्रायन ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने अभी तक राज्य तक का दौरा नहीं किया है।''

आगरा में नकली घी बनाने वाली फैक्टरी पर छापा, 18 ब्राण्ड के 'लेबल' मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के आगरा में पुलिस ने नकली घी बनाने वाली फैक्टरी पर छापा मारकर भारी मात्रा में नकली घी बरामद किया है। पुलिस को ताजगंज के शमसाबाद रोड के कहरई मोड़ स्थित इस अस्थायी फैक्टरी से भारी मात्रा में अमूल ब्रांड के नकली घी की मेरठ के लिए आपूर्ति होने की सूचना मिली थी। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी)-सिटी सूरज राय ने संवाददाताओं को बताया कि फैक्टरी में अमूल सहित कई नामचीन ब्रांड का नकली घी तैयार किया जा रहा था। फैक्टरी से 18 ब्रांड के 'लेबल' मिले हैं जिनमें घी भरकर उसकी आपूर्ति की जाती थी। फैक्टरी से घी बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा यूरिया और कई अन्य रसायन सहित अन्य सामान भी मिला है।

ओडिशा सरकार ने स्वतंत्रता सेनानियों की पेंशन दोगुनी करने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बृहस्पतिवार को स्वतंत्रता सेनानियों की पेंशन दोगुनी करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि आपातकाल के दौरान आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था अधिनियम (मीसा) के तहत गिरफ्तार किए गए लोगों को अब 20,000 रुपए मासिक पेंशन मिलेगी।

माझी ने 'ऑल इंडिया फ्रीडम फाइटर्स डे' के अवसर पर आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए ये घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा, ''भारत के स्वतंत्रता संग्राम में स्वतंत्रता सेनानियों की भूमिका को स्वीकार करते हुए राज्य सरकार उनकी पेंशन राशि में वृद्धि करेगी। जिन स्वतंत्रता सेनानियों को जेल में बंद किया गया था उनको अब 10,000 रुपए प्रति माह की जगह 20,000 रुपए की पेंशन मिलेगी।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे स्वतंत्रता सेनानी जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया था, लेकिन जेल नहीं गए, उन्हें अब 9,000 रुपए के स्थान पर 15,000 रुपए प्रतिमाह मिलेंगे।

माझी ने कहा कि 21 महीने के आपातकाल के दौरान आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था अधिनियम के तहत गिरफ्तार किए गए लोग अब 20,000 रुपए मासिक पेंशन के पात्र होंगे।

सहारनपुर में रेल पटरी पर धातु का टुकड़ा, कानपुर में खाली गैस सिलेंडर रखा मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सहारनपुर/कानपुर (उप्र)/भाषा। कानपुर में बर्राजपुर रेलवे स्टेशन के पास रेल पटरी पर पांच किलोग्राम वाला का एक खाली एलपीजी गैस सिलेंडर रखा मिला। यह जानकारी राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने बृहस्पतिवार को दी। एक अन्य घटना में मंगलवार को सहारनपुर जिले में हरिद्वार रेल लाइन पर टपरी के पास रेल पटरी पर रखे लोहे के एक बड़े टुकड़े का समय रहते पता चलने से एक बड़ा हादसा टल गया।

एक सुरक्षा दल को बुधवार को गश्त के दौरान कानपुर के शिवराजपुर में लूपलाइन पटरी पर सिलेंडर मिला। अधिकारियों ने बताया कि सिलेंडर एक बोरे में रखा हुआ था, जिसके बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई।

पुलिस अधीक्षक (जीआरपी) अभिषेक वर्मा ने बताया, ''सूचना मिलने पर जीआरपी अधिकारी कानपुर और उसके पड़ोसी जिलों की फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और इलाके एवं सिलेंडर का निरीक्षण किया, जिसमें सिलेंडर खाली मिला।'' उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि सिलेंडर को जानबूझकर दहशत फैलाने के इरादे से पटरी पर रखा गया था। उन्होंने कहा कि मामले की गहन जांच करने और इसके पीछे जिम्मेदार लोगों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष दल का गठन किया गया है।

इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि रेलवे ने भी मंगलवार तड़के पटरी पर लोहे का टुकड़ा मिलने की घटना मामले की भी विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

बिहार : प्रशांत किशोर ने बीपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर आमरण अनशन शुरू किया

पटना/भाषा। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने हाल ही में आयोजित बिहार लोक सेवा परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को पटना के गांधी मैदान में महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे आमरण अनशन शुरू किया। किशोर ने पटना के गांधी मैदान में यह घोषणा की। गांधी मैदान उस स्थान से कुछ किलोमीटर दूर है जहां कई पीड़ित उम्मीदवार लगभग दो सप्ताह से चौबीसों घंटे विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। किशोर ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी मांगों में परीक्षा रद्द करना और नए सिरे से परीक्षा आयोजित करना शामिल है। उन्होंने कहा ''मैं उन भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग करता हूं, जिन्होंने कथित तौर पर परीक्षाओं द्वारा भरे जाने वाले पदों को खरीद-फरोख्त के लिए रखा है।'' उल्लेखनीय है कि प्रदर्शनकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा से मुलाकात के तुरंत बाद, किशोर ने सोमवार को कहा था कि वह '48 घंटे' तक इंतजार करेंगे और अगर नीतीश कुमार सरकार 13 दिसंबर को आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षाओं पर कोई कार्रवाई करने में विफल रही, तो आंदोलन तेज हो जाएगा।

देश के 440 जिलों के भूजल में नाइट्रेट का उच्च स्तर स्वास्थ्य के लिए खतरा: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के 440 जिलों के भूजल में 'नाइट्रेट' उच्च स्तर पर पाया गया है। केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) ने एक 'रिपोर्ट' में यह जानकारी देते हुए बताया कि एकत्र किए गए नमूनों में से 20 प्रतिशत में 'नाइट्रेट' की सांद्रता अनुमेय सीमा से अधिक है। 'नाइट्रेट' संदूषण पर्यावरण और स्वास्थ्य के मद्देनजर गंभीर चिंता का विषय है, खास कर उन क्षेत्रों में जहां 'नाइट्रोजन' आधारित उर्वरकों एवं पशु अपशिष्ट का उपयोग किया जाता है।

'वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट – 2024' से यह भी पता चला कि 9.04 प्रतिशत नमूनों में 'फ्लोराइड' का स्तर भी सुरक्षित सीमा से अधिक था, जबकि 3.55 प्रतिशत नमूनों में 'आर्सेनिक' संदूषण पाया गया।

मई 2023 में भूजल की गुणवत्ता की जांच के लिए देश भर में कुल 15,259 निगरानी स्थानों को चुना गया। इनमें से 25 प्रतिशत कुओं (बीआईएस 10500 के अनुसार सबसे अधिक जोखिम वाले) का विस्तार से अध्ययन किया गया। पुनर्भरण से गुणवत्ता पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जानकारी लेने के लिए मानसून से पहले और बाद में 4,982 स्थानों से भूजल का नमूना लिया गया।

रिपोर्ट में पाया गया कि जल के 20 प्रतिशत नमूनों में नाइट्रेट की सांद्रता 45 मिलीग्राम प्रति लीटर (एमजी/एल) की सीमा को पार कर गई, जो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा पेयजल के लिए निर्धारित सीमा है। राजस्थान, कर्नाटक और तमिलनाडु में 40 प्रतिशत से अधिक नमूनों में नाइट्रेट सीमा से ऊपर था, जबकि महाराष्ट्र के नमूनों में संदूषण 35.74 प्रतिशत, तेलंगाना में 27.48 प्रतिशत, आंध्र प्रदेश में 23.5 प्रतिशत और मध्य प्रदेश में 22.58 प्रतिशत था। उत्तर प्रदेश, केरल, झारखंड और बिहार में संदूषण का प्रतिशत कम पाया गया।

अरुणाचल प्रदेश, असम, गोवा, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड में सभी नमूने सुरक्षित सीमा के भीतर थे।

सीजीडब्ल्यूबी ने कहा कि, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में 'नाइट्रेट' का स्तर 2015 से स्थिर बना हुआ है। हालांकि, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और हरियाणा में 2017 से 2023 तक संदूषण में वृद्धि देखी गई है।

रोहित पर गिर सकती है गाज, गंभीर ने कप्तान की अंतिम एकादश में जगह की नहीं की पुष्टि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/भाषा। सवाल सरल था। क्या रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में खेलेंगे? क्या रोहित की जगह सुरक्षित है, इस सवाल पर जवाब 'हां' होना चाहिए था लेकिन भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर का मैच की पूर्व संध्या पर संवाददाता सम्मेलन पर जवाब था, ''हम पिच को देखने के बाद अंतिम एकादश पर फैसला करेंगे।'' गंभीर के इस अस्पष्ट जवाब ने उन अटकलों को और हवा दी जिनके अनुसार कप्तान रोहित शर्मा की खराब फॉर्म के कारण अंतिम एकादश में जगह पक्की नहीं है। कुछ ही घंटों में यह बात लगभग पक्की हो गई कि 37 वर्षीय रोहित ऐसे पहले भारतीय कप्तान बनने वाले हैं जिन्हें खराब फॉर्म के कारण हटाया जाएगा। और यह सब एक पंक्ति के जवाब से शुरू हुआ।

गंभीर के जवाब से यह लगभग स्पष्ट हो जाता है कि रोहित ऑस्ट्रेलिया के वर्तमान दौरे में अपना अंतिम मैच खेल चुके हैं। वह अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पहले टेस्ट मैच में भी नहीं खेल पाए थे। रोहित जब से ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं तभी से वह अतिरिक्त उछाल और सीम मूवमेंट का सामना नहीं कर पाने के अलावा अपनी कप्तानी को लेकर आलोचना झेल रहे हैं। अब जबकि भारतीय टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरा खत्म होने की तरफ बढ़ रहा है तब एक टेस्ट क्रिकेटर के रूप में रोहित का करियर निराशाजनक अंत की तरफ बढ़ रहा है। मेलबर्न की तरह ही यहां रोहित नेट्स पर अभ्यास के लिये आखिर में उतरे। अगर उन्हें बाहर किया जाता है तो इसके जिम्मेदार वह स्वयं होंगे क्योंकि अभी तक वह पांच पारियों में केवल 31 रन बना पाए हैं। जैसी संभावनाएं जताई जा रही हैं, अगर वह सही साबित होती हैं तो फिर तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। भारतीय टीम ने उनके नेतृत्व में ही पहला टेस्ट मैच जीता था। बुमराह ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है तथा 20 से भी कम औसत से 30 विकेट लिए हैं। महेंद्र सिंह धोनी और अनिल कुंबले ने शृंखला के बीच में टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था क्योंकि उनका शरीर पांच दिनी क्रिकेट और खेल पाने की इजाजत नहीं दे पा रहा था ।

सुविचार

जैसे तुम ईश्वर से भक्ति के लिए प्रार्थना करते हो, वैसे ही उनसे प्रार्थना करो कि तुम्हारे अंदर से दूसरों का दोष देखना बंद हो जाए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राष्ट्रीय सुरक्षाः मतभेदों से ऊपर उठें

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बांग्लादेशी घुसपैठियों का जिक्र करते हुए बीएसएफ के बारे में जो बयान दिया है, वह हकीकत से कोसों दूर है। बीएसएफ के जवानों ने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए बलिदान दिए हैं। उन्होंने तो अनगिनत बार घुसपैठियों को खदेड़ा है। अगर बीएसएफ की ओर से सख्ती न की जाती तो घुसपैठियों के हौसले बहुत बुलंद होते। इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि बीएसएफ की काफी कोशिशों के बावजूद कुछ बांग्लादेशी घुसपैठिए हमारे देश में दाखिल हो जाते हैं। भारत की बांग्लादेश के साथ लगती सीमा भौगोलिक दृष्टि से अत्यंत चुनौतीपूर्ण है। वहां एक जैसा इलाका नहीं है। नदी, घने जंगल और दलदल वाले इलाके में यह संभव नहीं है कि हर कदम पर बीएसएफ अपना जवान खड़ा कर दे। तकनीकी विकास के साथ कुछ नए उपकरण जरूर आ गए हैं, लेकिन भौगोलिक चुनौतियां अपनी जगह बरकरार हैं। बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठिए किसी एक रास्ते से नहीं आते। अगर ऐसा होता तो इस समस्या का समाधान बहुत आसानी से हो सकता था। ये घुसपैठिए दबे पांव, रेंगकर और कई तरीकों से दाखिल होने की कोशिशें करते हैं। ये महिलाओं और बच्चों को 'ढाल की तरह' इस्तेमाल करते हैं। जब पकड़े जाते हैं तो खुद को गरीब और जरूरतमंद बताते हैं। हो सकता है कि अपनी आर्थिक स्थिति के बारे में दिया गया उनका बयान सही हो, लेकिन इस आधार पर किसी को भारत में अवैध ढंग से दाखिल होने की इजाजत नहीं दी जा सकती। पाकिस्तान के साथ लगती सीमा से कोई घुसपैठिया दाखिल होने की कोशिश करे तो पहले उसे चेतावनी दी जाती है। वह फिर भी आगे बढ़ना जारी रखे तो देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 'उचित कार्रवाई' की जाती है।

अगर बीएसएफ बांग्लादेश के साथ लगती सीमा पर भी उसी तर्ज पर कार्रवाई करनी शुरू कर दे तो कई नेता भारी हंगामा खड़ा कर देंगे, मानवाधिकारों का मुद्दा उठाएंगे और पूरी कार्रवाई को ही संदेह के दायरे में लाने की कोशिश करेंगे। कोई बांग्लादेशी घुसपैठिया 'इधर आने' की कोशिश करता है तो बीएसएफ को उसकी पकड़-धकड़ करनी चाहिए। अगर किसी कारणवश वह बचकर निकलने में कामयाब हो जाए तो संबंधित राज्य सरकारों को ऐसा तंत्र विकसित करना चाहिए, जिससे वह गिरफ्त में आ जाए। यह कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। अगर सरकारी मशीनरी सूझबूझ के साथ इच्छाशक्ति रखते हुए काम करे तो घुसपैठियों पर काबू पाया जा सकता है। हाल में ऐसी खबरें सामने आई थीं, जिनमें बताया गया कि घुसपैठियों के पास आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र समेत जरूरी दस्तावेज पाए गए हैं। कोई व्यक्ति इतने दस्तावेज बनवा सकता है तो वह मतदाता सूची में नाम भी जुड़वा सकता है! क्या ये अवैध कृत्य 'स्थानीय मददगारों' के बिना हो सकते हैं? क्या संबंधित राज्य सरकारों की जिम्मेदारी नहीं है कि वे ऐसे लोगों का पता लगाकर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें? सरकारों को चाहिए कि वे बीएसएफ के साथ समन्वय रखते हुए ऐसा मजबूत तंत्र बनाएं, जिससे घुसपैठियों पर नजर रखने, उन्हें हिरासत में लेने में आसानी हो। जब कोई बांग्लादेशी अपने देश में रहकर यह खबर पढ़ेगा कि भारत में वरिष्ठ नेता ही बीएसएफ की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं और कुछ खास इलाकों से घुसपैठ करना तुलनात्मक रूप से आसान है तो उसका मन घुसपैठ करने के लिए क्यों नहीं मचलेगा? होना तो यह चाहिए कि वरिष्ठ नेता स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दें कि 'कोई व्यक्ति घुसपैठ के दौरान बीएसएफ की नजरों से बचकर हमारे यहां आ गया तो ऐसा बिल्कुल न समझे कि हम उसे बख्श देंगे और उसके लिए सुख-सुविधाएं जुटाएंगे ... हम घुसपैठियों को जेल भेजेंगे ... जो उनकी मदद करेगा, उसकी सजा और ज्यादा सख्त होगी।' जब मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हो तो राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर बात करनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

संसदीय क्षेत्र कोटा स्थित एमबीएस और जेके लोन अस्पताल का निरीक्षण किया। अस्पताल प्रशासन को इमरजेंसी सेवाओं में सुधार करने, पुराने भवन के रिनोवेशन और परिसर में अनुपयोगी स्थानों के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

-ओम बिरला

सिक्किम राज्य के महामहिम राज्यपाल श्री ओम माथुर जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि जनसेवा के आपके सभी संकल्प सिद्ध हों, प्रभु आपको दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन प्रदान करें।

-भजनलाल शर्मा

ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना केवल बीमा कंपनियों के जेब भरने की योजना बनकर रह गई है। किसान लगातार शिकायत करने आते हैं कि 2-3 साल पुराने फसल खराबे के क्लेम नहीं मिल रहे हैं। मैंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इसके संबंध में निवेदन किया।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

पुरुषार्थ से ताजगी

एक व्यक्ति अपने बचपन के साथी के पुत्र रामजी के यहां आया। रामजी ने अपने पिता के मित्र का स्वागत-सत्कार किया और उन्हें भोजन परोसा। उन्होंने जैसे ही भोजन का एक कौर मुंह में रखा तो वे बोले, 'बेटा! यह भोजन तो बासी है।' रामजी बोला, 'यह भोजन तो अभी बनाकर आपको परोसा गया, फिर आप इसे बासी कैसे कह रहे हैं?' वृद्ध बोले, 'बेटा! मेरे मित्र ने कितने कष्ट से पैसा कमाया। उन्हें गुजरे एक वर्ष ही बीता है, इसी बीच तुमने आधी संपत्ति उड़ा दी, अब आगे क्या करोगे? तुम अपने परिश्रम से कमाये धन से भोजन बनवाते तो मैं उसे ताजा कहता।' रामजी की समझ में उनकी बात आ गई। उसने कहा, 'मैं शपथपूर्वक कहता हूं कि अब मैं श्रम करके धन कमाऊंगा और उसी से अपना व परिवार का पालन-पोषण करूंगा।'

सामयिक

अपनों के निशाने पर कांग्रेस पार्टी

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

कांग्रेस पार्टी इन दिनों अपने ही साथी दलों के निशाने पर है। भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों के संयुक्त इंडिया गठबंधन में शामिल विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा कांग्रेस पार्टी से इंडिया गठबंधन का नेतृत्व वापस लेने की मांग की जा रही है। इंडिया गठबंधन में शामिल बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी खुले आम कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व पर सवाल उठा रही है। उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रेस कांफ्रेंस करके कांग्रेस पार्टी को इंडिया गठबंधन के नेता पद से हटाने की मांग की हैं। ममता बनर्जी की मांग के समर्थन में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी अपनी सहमति जताई है। इससे इंडिया गठबंधन की स्थिति लगातार कमजोर हो रही है।

जून 2023 में 26 विपक्षी दलों के साथ बना इंडिया गठबंधन अब टूट के कगार पर खड़ा है। लोकसभा चुनाव में मिली हार और उसके बाद हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हुई पराजय ने इस गठबंधन को कमजोर कर दिया है। इसी के चलते कांग्रेस के सहयोगी दल ही उसकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाकर अलग राह पकड़ने के संकेत दे रहे हैं। हाल ही में दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने तो कांग्रेस को इंडिया गठबंधन से बाहर निकलवाने तक की धमकी दे दी है। कांग्रेस द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा के बाद से ही आम आदमी पार्टी कांग्रेस से खासी नाराज नजर आ रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस जिस तरह से चुनाव लड़ रही है उससे भाजपा को लाभ मिल रहा है। कांग्रेस नेता अजय माकन व संदीप दीक्षित के बयान विपक्ष को कमजोर करने के लिए भाजपा के कहने पर दिए जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद पवार), नेशनल कांफ्रेंस तो खुलकर कांग्रेस की मुखालफत करने लगी है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपनी जीत तय मानकर आम आदमी पार्टी से गठबंधन करने से इनकार कर दिया था। जिसके चलते आम आदमी पार्टी ने कई सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़कर 1.8 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। जबकि हरियाणा में कांग्रेस को 39.34 प्रतिशत वोट व भाजपा को 39.94 प्रतिशत वोट मिले थे। यदि हरियाणा में कांग्रेस आम आदमी पार्टी से समझौता करके चुनाव लड़ती तो निश्चय ही सरकार बन सकती थी। मगर कांग्रेस ने अवसर गवां दिया और

वहां भाजपा ने आसानी से तीसरी बार पहले से भी अधिक बहुमत से सरकार बना ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपचुनाव में तो समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी थी। जबकि लोकसभा चुनाव कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने मिलकर ही लड़ा था।

महाराष्ट्र में कांग्रेस नीत महा विकास अघाड़ी की करारी हार होने के बाद शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा था कि कांग्रेस ने हरियाणा में आप और समाजवादी पार्टी को सीट ना देकर गलती की थी। पार्टी के मुखपत्र सामना में भी लिखा गया कि कांग्रेस नेताओं के अति आत्मविश्वास और घमंड ने हरियाणा में हार के लिए भूमिका निभाई। पार्टी नेता संजय राउत ने तो यहां तक कह दिया कि कांग्रेस को लगने लगा था कि वह अकेले ही जीत सकती है। इसलिए किसी को भी सत्ता में भागीदार बनाना उचित नहीं समझा था। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। कांग्रेस कुल 329 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जिसमें से 145 सीटों पर बिना किसी गठबंधन की अकेले चुनाव लड़ी थी। जिसमें कांग्रेस 37 सीटों पर चुनाव जीती थी। कांग्रेस का बिना किसी दल से गठबंधन में जीत का रेशियो 25.52 प्रतिशत रहा था। जबकि कांग्रेस 184 सीटों पर साथी दलों से गठबंधन करके चुनाव लड़ी थी। इसमें कांग्रेस ने 62 सीट जीती थी और जीत का रेशियो 33.75 प्रतिशत रहा था। इस तरह से देखे तो कांग्रेस पार्टी को अकेले चुनाव लड़ने की बजाय गठबंधन साथियों की बदौलत बड़ी जीत हासिल हुई थी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 13 करोड़ 67 लाख 59 हजार 64 यानी 21.29 प्रतिशत वोट मिले थे। गठबंधन करने के कारण 2019 की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 1.91 प्रतिशत अधिक वोट मिले थे।

कांग्रेस पार्टी ने पंजाब, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, उड़ीसा, तेलंगाना व पश्चिम बंगाल में अपने बूते चुनाव लड़ा था। जबकि बिहार, गुजरात हरियाणा झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, पांडिचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश में गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। अंडमान निकोबार दीप समूह, आंध्र प्रदेश, दादरा नगर हवेली व दमन दीव, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, मध्य प्रदेश, मिजोरम, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड ऐसे प्रदेश है जहां लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल सका था।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका महाराष्ट्र में लगा जहां उनकी सीटे 44 से घटकर 16 रह गई। महाराष्ट्र में कांग्रेस शिवसेना (यूबीटी) व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के साथ महाविकास अघाड़ी बनाकर चुनाव मैदान में उतरी थी। वहां कांग्रेस सबसे अधिक 101 सीटों पर चुनाव लड़ी जिसमें महज 16 सीट ही जीत पाई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 80 लाख 20 हजार 921 वोट मिले जो कुल मतदान का 12.42 प्रतिशत थे। महाराष्ट्र में कांग्रेस की जीत का स्ट्राइक रेट 15.38 प्रतिशत ही रहा। संसद का शीतकालीन सत्र का समापन हो चुका है। जिसमें अधिकांश समय कांग्रेस ने अदानी मुद्दे को लेकर संसद नहीं चलने दी। इससे संसद का कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा। इसको लेकर भी कांग्रेस की सहयोगी तृणमूल कांग्रेस, सपा ने कांग्रेस को घेरते हुये आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर बहस नहीं होने देना चाहती है तथा सिर्फ अदानी मुद्दे को ही जिंदा रखे हुए हैं। यदि संसद चलती तो कई तरह के मुद्दों पर सरकार को घेरा जा सकता था।

इंडि अलायंस में जिस तरह की खटपट वर्तमान समय में चलने लगी है वह अलायंस के लिए शुभ नहीं मानी जा सकती है। अलायंस में शामिल दल ही विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के नेतृत्व को नकारने लगे है इससे बुरी बात कांग्रेस पार्टी के लिए और क्या हो सकती है। लोकसभा चुनाव में जिस तरह से विपक्षी पार्टियों ने एकजुट होकर इंडिया गठबंधन बनाकर केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। वही गठबंधन अब धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जा रहा है। आने वाले समय में दिल्ली विधानसभा के चुनाव होने हैं। वहां भाजपा चुनाव जीतने की पूरी रणनीति बनाने में जुटी हुई है। आम आदमी पार्टी चाहती है कि वह दिल्ली की सत्ता पर फिर से काबिज हो। मगर कांग्रेस का रवैया देखकर आम आदमी पार्टी भी सकते में है। पार्टी के नेता कांग्रेस को वोट कटवा के रूप में देख रहे हैं तथा खुले आम भाजपा की बी टीम के रूप में काम करने का आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की दो सूची जारी कर दी है। शेष सीटों पर भी जल्दी ही प्रत्याशियों के नाम घोषित करने की तैयारी चल रही है। यदि दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी पराजित हो जाती है तो इंडिया गठबंधन के ताबूत में वह आखरी कील साबित होगी।

कांग्रेस को यदि इंडिया गठबंधन को बचाना है तो अपने सहयोगी क्षेत्रीय दलों की भावनाओं को समझ कर फैसला करना होगा। तभी कांग्रेस अपने राजनीतिक वजूद को बचा पाएगी। इंडिया गठबंधन टूटने की स्थिति में कांग्रेस का भी कमजोर होना तय माना जा रहा है। क्योंकि कांग्रेस अकेले भाजपा से मुकाबला नहीं कर सकती है। गठबंधन के साथी दलों की मदद से ही कांग्रेस मजबूत हो सकेगी इस बात से कांग्रेस नेता भी अच्छे से वाकिफ है।

कांग्रेस को यदि इंडिया गठबंधन को बचाना है तो अपने सहयोगी क्षेत्रीय दलों की भावनाओं को समझ कर फैसला करना होगा। तभी कांग्रेस अपने राजनीतिक वजूद को बचा पाएगी। इंडिया गठबंधन टूटने की स्थिति में कांग्रेस का भी कमजोर होना तय माना जा रहा है। क्योंकि कांग्रेस अकेले भाजपा से मुकाबला नहीं कर सकती है। गठबंधन के साथी दलों की मदद से ही कांग्रेस मजबूत हो सकेगी इस बात से कांग्रेस नेता भी अच्छे से वाकिफ है।

नजरिया

परीक्षा शिक्षा का एक अहम पड़ाव है। इसे एक चुनौती के स्तर पर लें। चुनौती को जब हम हंसी-खुशी से स्वीकारते हैं, तब यह उत्सव और खेल बन जाती है। तनाव से मुक्त होकर, उत्साह और आत्मविश्वास की ऊर्जा से भरकर जब परीक्षा दी जाती है, तो हमें कई अप्रत्याशित खुशियों के खजाने मिल सकते हैं। मैं अपना एक अनुभव साझा करना चाहूँगा, हाई स्कूल में अंग्रेजी की मेरी तैयारी अच्छी थी। पहला पेपर बहुत शानदार हुआ था। सेकंड पेपर वाले दिन मैं आत्मविश्वास और उत्साह से भरा हुआ परीक्षा कक्ष में पहुंचा था।

आ रही परीक्षा की घड़ी

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाईल 7379100261

जनवरी माह की शुरुआत हो चुकी है। सीबीएससी सहित अन्य बोर्ड परीक्षाएं दरवाजे पर दस्तक दे रही हैं। बहुत कम ऐसे बच्चे मिलेंगे, जिनको अपनी साल भर की पढ़ाई पर भरोसा है और वह उत्साह के साथ आगामी छह-सात सप्ताह के अन्दर पाठ दोहराने के लिए टाइम टेबल को नया रूप दे रहे हैं। जबकि अधिकतर विद्यार्थी निकट आती परीक्षा की आहट से असहज करने वाले भय से घिरने लगते हैं। मजे की बात यह कि इन भयग्रस्त किशोरों में फर्स्ट डिवीजनर भी होते हैं। वास्तव में भय परीक्षा से नहीं, उसके परिणाम से होता है। हमें शुरू से ही ऐसा बना दिया जाता है कि हम परीक्षा को परिणाम की दृष्टि से देखने लगते है। परीक्षा से परिणाम का आना स्वाभाविक प्रक्रिया है, मगर परिणाम के प्रति हमारा अत्यधिक निजी आग्रह शिक्षाकाल में सीखने-जानने की प्रक्रिया के आनन्द को खत्म कर देता है। शिक्षा हो या परीक्षा, इसका उद्देश्य जीवन में भय, चिंता, तनाव, बेचैनी, अवसाद आदि से परिचित कराना न होकर सीखने की सतत प्रक्रिया को दिशा, गति और प्रोत्साहन देकर सुयोग्य नागरिक तैयार करना होता है। पिछले दशकों के बीच ढेर सारे नम्बर लाने का सपना अस्तित्व में आया, तभी से पढ़ाई और परीक्षा की प्रक्रिया परिणाम से जुड़कर भयावनी शक्ल अख्तियार करने लगी है। परीक्षा का कुछ तनाव पहले भी होता था, किन्तु तब इसके आत्मघाती होने की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी।

खैर...अभी जब बोर्ड परीक्षाएं सामने हैं तो यह समय खेल-कूद, गपशप, मोबाइल से दूरी बनाकर परीक्षा की तैयारी में लगाने का है। अभिभावकों के लिए भी नेक सलाह है कि वह बच्चे पर अपनी आपेक्षाओं का दबाव न बनाएं, बल्कि उसे भरोसा दें कि एक परीक्षा के रिजल्ट से कुछ नहीं होता है। पढ़ाई जो होनी थी हो चुकी है। बस बचे हुए समय में प्रत्येक विषय के पहले पाठ को विधिवत पढ़ डालना है। यह आपकी पूरी पढ़ाई को सबल बनाएगा। कुछ प्रश्न और पैटर्न सिलेबस में बड़े महत्व के होते हैं। यहाँ से सवाल जरूर पूछे जाते हैं और यह मार्क्स स्कोर करने में मददगार होते हैं। इनको समझने के लिए पुराने पेपरों की मदद ली जा सकती है। क्वेश्चन बैंक की पुस्तक में भी इस विषय में उपयोगी सामग्री मिल जाती है। अनुभवी अध्यापक भी विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण प्रश्नों की सूची उपलब्ध कराते हैं। पुराने एग्जाम पेपर की मदद से इस प्रकार के सवालों को समझना और हल करना परीक्षा के अन्तिम दिनों की तैयारी को इंपोर्टेन्ट चैप्टर और प्रश्नों की दिशा में केंद्रित कर देती है।

पढ़ाई के समय जो नोट बनाया जाता है, उसके महत्वपूर्ण अंशों को हाईलाइटर से फोकस करके और उसे अच्छी तरह याद कर लेना चाहिए। दीर्घउत्तरीय प्रश्नों की भूमिका में यदि समस्त मुख्य विंदु समाहित हों तो परीक्षक अच्छे अंक देते हैं। हाईलाइट किए गए बिंदु इस सिलसिले में बड़ी सहायता करते हैं। परीक्षा मूलतः छात्रों की योग्यता की जांच का उपक्रम है। इसलिए सवालों के जवाब अच्छी तरह देना एक परीक्षार्थी का धर्म होता है। इन आखिरी दिनों में लिखने की प्रैक्टिस के साथ पाठों का रिवीजन किया जाए, तो यह परीक्षा कक्ष में बहुत उपयोगी सिद्ध होता है। अक्सर परीक्षार्थी इस बात का अफसोस करते देखे जाते हैं कि प्रश्नोत्तर याद रहते हुए भी समय की कमी के कारण वह उसे लिख नहीं पाए। इससे बचने का प्रामाणिक तरीका है कि पिछले वर्षों के प्रश्न पत्र को असल परीक्षा की तरह तीन घंटे के अन्दर हल करने का अभ्यास किया जाए। विशेषज्ञों का मत है कि इस अभ्यास के बीच अगर बोल-बोलकर लिखा जाए तो यह बहुत कारगर होगा। क्योंकि इससे आँख, हाथ, मस्तिष्क, मुंह, कान के बीच एक स्वाभाविक लय बन जाती है, जो परीक्षा के बीच एकाग्रता बनाए रखने में कारगर भूमिका निभाती है। प्रतिदिन एक या दो पुराने प्रश्नपत्रों को तीन घण्टे में हल करने का अभ्यास किया जाए। मात्र पाँच-छह प्रश्नपत्रों के हल करने की प्रक्रिया में समय और लिखने की गति पर ठीक-ठाक नियंत्रण हो जाएगा।

परीक्षा शिक्षा का एक अहम पड़ाव है। इसे एक चुनौती के स्तर पर लें। चुनौती को जब हम हंसी-खुशी से स्वीकारते हैं, तब यह उत्सव और खेल बन जाती है। तनाव से मुक्त होकर, उत्साह और आत्मविश्वास की ऊर्जा से भरकर जब परीक्षा दी जाती है, तो हमें कई अप्रत्याशित खुशियों के खजाने मिल सकते हैं। मैं अपना एक अनुभव साझा करना चाहूँगा, हाई स्कूल में अंग्रेजी की मेरी तैयारी अच्छी थी। पहला पेपर बहुत शानदार हुआ था। सेकंड पेपर वाले दिन मैं आत्मविश्वास और उत्साह से भरा हुआ परीक्षा कक्ष में पहुंचा था। किन्तु पेपर के शुरुआती तीन प्रश्न पढ़ते हुए पेपर के कठिन होने का आभास हुआ। ट्रांसलेशन पर खूब भरोसा था। उसका पहला वाक्य था-गौतम बुद्ध का जन्म लुम्बिनी नामक वन में हुआ था, जब उनकी माता महामाया देवी अपने पिता के यहाँ जा रही थीं। हाई स्कूल की दृष्टि से यह वाक्य जटिल था। मैं इसके स्ट्रक्चर के विषय में सोच रहा था, तभी मेरे मस्तिष्क में बिजली सी कौंध गई। हमारे कक्षा आठ की अंग्रेजी की किताब में 'गौतम बुद्ध' पर एक पाठ था, जिसमें एक प्रश्न था-'वर एण्ड ह्वेन गौतम बुद्धा वाज बार्न?' स्मृतिकोष में पड़ा इस प्रश्न का उत्तर मेरे सामने आ गया और ट्रांसलेशन की शुरुआत मैंने इसी उत्तर से की थी।

ऐसे ही इंटर हिन्दी के तृतीय प्रश्नपत्र में टिप्पणी लिखने के लिए तीन बिंदु दिए गए थे, जिसमें एक विंदु था-कबीर वाणी में गुरु महिमा'। वैसे तो किसी बिंदु पर मेरी तैयारी नहीं थी, किन्तु कक्षा पाँच में कबीर का 'गुरू गोविंद दोऊ खड़े....' वाला दोहा हमारी हिन्दी की पुस्तक में था। इस पाठ के अभ्यास कार्य में अध्यापक की सहायता से 'गुरु' सम्बन्धी अन्य दोहे याद करने का निर्देश था। हेडमास्टर साहब ने इस सिलसिले में गुरु महिमा पर कबीर के पाँच दोहे और एक साखी लिखवाया था। इस सामग्री का उपयोग करते हुए मैंने टिप्पणी लिखी थी। यह सब बताने का मेरा आशय यह है कि परीक्षा चाहे मैट्रिक की है या इंटर की। इसमें कई सवालों के जवाब प्राथमिक और उच्च प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ी हुई सामग्री की सहायता से दिए जा सकते हैं। यह पूर्व ज्ञान हमारे लिए तभी उपयोगी हो सकता है, जब हम परीक्षा कक्ष में शांतचित्त और संतुलित भाव से प्रवेश करेंगे।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चिदंबरम और जीतू माधवन की जोड़ी आगामी मलयालम फिल्म में साथ काम कर रही है

नई दिल्ली/भाषा। 'मंजुम्मेल बॉयज' के निर्देशक चिदंबरम और 'आवेशम' के पटकथा लेखक जीतू माधवन एक आगामी मलयालम फिल्म के लिए साथ में काम कर रहे हैं। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह फिल्म केवीएन प्रोडक्शंस और थेस्पियन फिल्म द्वारा बनाई जा रही है। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। केवीएन प्रोडक्शंस ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर इस फिल्म की घोषणा की। उसने पोस्ट किया, हम ऐसी टीम के साथ काम करने जा रहे हैं जो कहानी को लेकर उत्साहित है। हम इस फिल्म के लिए लंबे समय से इस सहयोग का इंतजार कर रहे थे और अब हम इस विचार को वास्तविकता में बदलने के लिए बहुत उत्सुक हैं। फिल्म के बारे में पूरी जानकारी, जैसे कि यह किस प्रकार की फिल्म होगी , अभी तक साझा नहीं की गई है।

फेसबुक पर बनी दोस्त से शादी करने के लिए भारतीय युवक अवैध रूप से पाकिस्तान पहुंचा, गिरफ्तार

लाहौर(पाकिस्तान)/अलीगढ़(उ प्र)/भाषा

भारत का शख्स फेसबुक पर बनी दोस्त से शादी करने की चाहत में अवैध रूप से पाकिस्तान आ गया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और वह फिलहाल जेल में है। हालांकि महिला ने स्थानीय पुलिस से कहा है कि वह उससे शादी नहीं करना चाहती। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के रहने वाले बादल बाबू के माता-पिता को उसके पाकिस्तान में गिरफ्तार होने की जानकारी मीडिया के जरिए मिली जिसके बाद वे स्तब्ध रह गए और उन्होंने पूरे घटनाक्रम को फिल्मी कहानी जैसा बताया। उनके मुताबिक, बाबू नौकरी करने के लिए गांव से दिल्ली गया था।

करीब 20-25 साल की उम्र के बाबू को 28 दिसंबर को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मंडी बहाउद्दीन जिले (लाहौर से लगभग 240 किलोमीटर दूर) में अवैध रूप से पाकिस्तान आने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

बाबू ने उस फेसबुक मित्र से मिलने के लिए अवैध रूप से सीमा पार की, जिससे वह शादी करना चाहता था। पुलिस ने बाबू की फेसबुक मित्र 21 वर्षीय सना रानी का बयान दर्ज किया है, जिसने कहा है कि वह उससे शादी नहीं करना चाहती है।

पाकिस्तानी पंजाब के पुलिस के अधिकारी नासिर शाह ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, पुलिस को दिए गए अपने बयान में सना रानी ने कहा है कि बाबू और वह पिछले ढाई साल से फेसबुक पर दोस्त हैं। लेकिन वह उससे शादी नहीं करना चाहती है। उन्होंने कहा कि बाबू अवैध रूप से सीमा पार कर मंडी बहाउद्दीन में सना रानी के मौंग गांव पहुंच गया, जहां उसे कानून प्रवर्तकों ने गिरफ्तार कर लिया।

जब उनसे पूछा गया कि क्या बाबू की रानी से मुलाकात हुई थी, तो पुलिस अधिकारी ने कहा कि वह इसकी पुष्टि नहीं कर सकते।

इस बात की भी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है कि जब रानी ने पुलिस को बयान दिया और बाबू से शादी करने से इनकार किया तब उसपर कोई दबाव था या नहीं।

हालांकि, एक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि खुफिया एजेंसी के अधिकारियों ने रानी और उसके परिवार के अन्य सदस्यों से बाबू के साथ उसके संबंधों के बारे में पूछताछ की।

वहीं, अलीगढ़ में बरला थाना क्षेत्र के खितकारी गांव में रहने वाले बाबू के पिता किरपाल सिंह ने बृहस्पतिवार को पत्रकारों को बताया कि उनके परिवार को सोशल मीडिया के जरिए बेटे की गिरफ्तारी के बारे में पता चला। उन्होंने कहा, हमें इस पर विश्वास नहीं हुआ। वह दिल्ली में काम कर रहा था और अचानक से पाकिस्तान की जेल में पहुंच गया। यह एक तरह की फिल्मी कहानी जैसा है। अब इस परिवार ने भारत सरकार, विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस मामले में हस्तक्षेप करने और बाबू की रिहाई के लिए पाकिस्तान के साथ बातचीत करने की अपील की है।

बाबू की मां ने कहा, हम हमारे बेटे की वापसी चाहते हैं और हमें नहीं पता कि वह कैसे भारत आएगा। हम प्रधानमंत्री से मदद की गुहार लगा रहे हैं। वह एक सीधा साधा लड़का है। उसने ऐसा पहले कभी नहीं किया।

परिवार के सूत्रों के मुताबिक, बाबू फेसबुक पर बहुत सक्रिय रहता था जहां वह शायद एक पाकिस्तानी लड़की के संपर्क में आया। उन्होंने बताया कि वह अगस्त 2024 में रक्षाबंधन के बाद नौकरी के लिए दिल्ली गया था और दिवाली से पहले बाबू ने व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल करके कहा कि वह सुरक्षित है और उसे नौकरी मिल गई है।

बांग्लादेश में नई पाठ्यपुस्तकों में स्वतंत्रता की घोषणा का श्रेय जियाउर रहमान को दिया गया

ढाका/भाषा

बांग्लादेश में नई पाठ्यपुस्तकें पेश की गई हैं, जिनमें बताया गया है कि जियाउर रहमान ने 1971 में देश की आजादी की घोषणा की थी जबकि अब तक की पुस्तकों में इसका श्रेय बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान को दिया जाता रहा है। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। 'डेली स्टार' समाचार पत्र की खबर में कहा गया है कि प्राथमिक और माध्यमिक छात्रों की नई पाठ्यपुस्तकों में कई बदलाव किए गए हैं। पाठ्यपुस्तकों में मुजीबुर्रहमान के लिए राष्ट्रपिता की उपाधि भी हटा दी गई है।

खबर में राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक बोर्ड के अध्यक्ष प्रोफेसर ए.के.एम. रियाजुल हसन के हवाले से कहा गया है कि शैक्षणिक वर्ष 2025 के लिए नई पाठ्यपुस्तकों में उल्लेख होगा कि 26 मार्च 1971 को जियाउर रहमान ने बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की थी और 27 मार्च को उन्होंने बंगबंधु की ओर से स्वतंत्रता का एक और ऐलान किया।

खबर के अनुसार पाठ्यपुस्तकों में परिवर्तन की प्रक्रिया में शामिल रहे लेखक व शोधकर्ता राखल राहा ने कहा कि उन्होंने पाठ्यपुस्तकों को अतिशयोक्तिपूर्ण, थोपे गए इतिहास से मुक्त करने का प्रयास किया।

पाठ्यपुस्तकों को संशोधित करने वालों ने पाया कि यह तथ्य-आधारित जानकारी नहीं थी कि शेख मुजीबुर्रहमान ने पाकिस्तानी सेना द्वारा गिरफ्तार किए जाने के दौरान वायरलेस संदेश (स्वतंत्रता की घोषणा के बारे में) भेजा था, और इसलिए उन्होंने इसे हटाने का फैसला किया।

खबर में कहा गया है कि इससे पहले कक्षा एक से 10 तक की पाठ्य पुस्तकों में स्वतंत्रता की घोषणा किसने की, इसकी जानकारी सत्ता में रहने वाली पार्टी के अनुसार बदली जाती रही है।

अवामी लीग के समर्थकों के बीच व्यापक रूप से यह माना जाता है कि मुजीबुर्रहमान ने यह घोषणा की थी और सेना में मेजर रहे जियाउर रहमान ने मुजीब के निर्देश पर केवल घोषणा पढ़ी थी।

फिल्म 'पिनाका' का टाइटल टीज़र रिलीज

मुंबई/एजेंसी

गोल्डन स्टार गणेश की आगामी फ़िल्म, पिनाका का बहुप्रतीक्षित टीज़र रिलीज़ हो गया है। टीजर में एक ऐसा विज़ुअल ट्रीट दिया गया है, जिसने फैंस और दर्शकों को आश्चर्य में डाल दिया है। टीजी विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद के विशेषज्ञ प्रोडक्शन के तहत, गोल्डन स्टार गणेश ने क्षुद्र और रुद्र के रूप में एक हैरतअंगेज नया अवतार लिया है, जिसमें उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है और एक नए क्षेत्र में कदम रखा है। बी. धनंजय निर्देशित और पीपल मीडिया फैक्ट्री (पीएमएफ) समर्थित, यह ऐतिहासिक 49वां प्रोजेक्ट (पीएमएफ49) कन्नड़ सिनेमा को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है।

टीज़र में काले जादू के तत्वों से भरपूर एक भव्य पीरियोडिक ड्रामा पेश किया गया है, जो एक मनोरंजक कहानी और कन्नड़ सिनेमा में पहले कभी न देखी गई एक विज़ुअल स्पेक्टेकल का वादा करता है। शानदार वीएफएक्स और कटिंग एज विज़ुअल के साथ, पिनाका एक रोमांचक नई दुनिया का निर्माण करती है और क्षुद्र के रैम्पेज पोस्टर द्वारा उत्पन्न चर्चा को आगे बढ़ाती है। विभिन्न इंडस्ट्रीज में ब्लॉकबस्टर देने के लिए जानी जाने वाली, पीपल मीडिया फैक्ट्री हाई क्वालिटी स्टोरीटेलिंग और वर्ल्ड क्लास प्रोडक्शन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ नए बेंचमार्क स्थापित कर रही है। यह प्रोजेक्ट कन्नड़ सिनेमा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उनके नज़रिए का प्रमाण है। गोल्डन स्टार गणेश के लिए, यह फिल्म उनके शानदार करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ है, जो उन्हें चुनौतीपूर्ण भूमिकाएँ निभाने में सक्षम एक बहुमुखी अभिनेता के रूप में स्थापित करती है। टीज़र ने पहले ही बहुत चर्चा बटोरी है और यह सिनेमाई यात्रा अविस्मरणीय होने का वादा करती है।

अभिनेता शरद केलकर और उनका परिवार गुरुवार को मुंबई के हवाई अड्डे पर पहुंचे।

भारतीय उद्योगपति सज्जन जिंदल लाहौर में नवाज शरीफ के पोते की शादी में शामिल हुए

लाहौर/भाषा। भारतीय उद्योगपति सज्जन जिंदल ने अपने परिवार के साथ लाहौर में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के पोते की शादी में शिरकत की। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के एक नेता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। जेएसडब्ल्यू स्टील के प्रबंध निदेशक जिंदल उन 700 स्थानीय और विदेशी मेहमानों में शामिल थे जिन्होंने रविवार को शरीफ के पोते जायद हुसैन नवाज के विवाह समारोह में उनके लाहौर स्थित जाति उमरा रायविंड आवास में शिरकत की।

सत्तारूढ़ पीएमएल-एन पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि इस समारोह में कई अन्य भारतीय भी शामिल हुए।

जिंदल परिवार के शरीफ परिवार के साथ मजबूत संबंध हैं और कथित तौर पर इसने नवाज शरीफ के बेटे हुसैन नवाज को खाड़ी में इस्पात मिल स्थापित करने में मदद की थी।

शरीफ परिवार ने भारतीय मेहमानों, विशेष रूप से जिंदल परिवार की एक दिन की यात्रा को बहुत साधारण रखा। जिंदल परिवार मुंबई से एक विशेष विमान में लाहौर पहुंचा।

मेहमानों की सुरक्षा के लिए जाति उमरा और उसके आसपास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था।

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी अपनी पत्नी माना शेट्टी के साथ गुरुवार को अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में मत्था टेकने जाते हुए।

हेमा मालिनी ने नवी मुंबई के इस्कॉन मंदिर की तस्वीरें साझा कर कहा, 'कुछ खूबसूरत होने वाला है'

मुंबई/एजेंसी

हिन्दी फिल्मों की दिग्गज अभिनेत्री और मथुरा लोकसभा सीट से भाजपा सांसद हेमा मालिनी हाल ही में नवी मुंबई के खारघर इलाके में स्थित इस्कॉन मंदिर गईं। गुरुवार को हेमा मालिनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम से इस्कॉन मंदिर परिसर से अपनी कुछ तस्वीरें साझा की। उन्होंने एक लंबा नोट भी लिखा और बताया कि मंदिर का उद्घाटन 15 जनवरी, 2025 को होगा। उन्होंने लिखा, नवी मुंबई के खारघर में कुछ खूबसूरत होने वाला है। यह मेरे दिल के बहुत करीब है। इस्कॉन ने एक बेहद खूबसूरत मंदिर बनाया है, जहां मुख्य देवता राधा मदनमोहन हैं। उन्होंने आगे बताया, यह सब सूरदास प्रभु जी और इतने सारे भक्तों और कारीगरों की अथक मेहनत का नतीजा है, जिन्होंने इस मंदिर को हकीकत बनाने के लिए 10 साल तक कड़ी मेहनत की है। मैं नए साल के दिन खारघर में प्रणाम करने गई और मुझे बहुत संतुष्टि महसूस हुई। मंदिर का उद्घाटन 15 जनवरी, 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा।

इससे पहले हेमा मालिनी ने स्वच्छता अभियान के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक रैली में हिस्सा लिया था। सोमवार को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर रैली की कई तस्वीरें शेयर की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, वृंदावन के परिक्रमा मार्ग पर, स्वच्छता अभियान के महत्व के बारे में जन जागरूकता पैदा करने के लिए महापौर विनोद अग्रवाल और नगर आयुक्त शशांक चौधरी द्वारा आयोजित रैली में 200 बच्चों ने भाग लिया। हेमा मालिनी ने लगातार तीसरी बार मथुरा लोकसभा सीट से चुनाव जीता है। इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनावों में अभिनेत्री ने आसानी से जीत हासिल की थी। अभिनेत्री ने वेम्पति चिन्ना सत्यम के साथ कुचिपुड़ी और कलामंडलम गुरु गोपालकृष्णन के साथ मोहिनीअट्टम का अध्ययन किया। उन्होंने तुलसीदास के 'रामचरितमानस' में नरसिंह और राम सहित कई नृत्य भूमिकाएं निभाई हैं। दिग्गज अभिनेत्री को 2000 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था, जो भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाला चौथा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान है।

फिल्म 'सास बहू की महाभारत' की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेंसी

वर्ल्ड वाइड प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही फिल्म सास बहू की महाभारत की शूटिंग शुरू हो गई है। फिल्म सास बहू की महाभारत के निर्माता प्रदीप सिंह हैं। इस फिल्म का निर्देशन अजय कुमार झा कर रहे हैं। इस फिल्म में मुख्य भूमिका में विक्रांत सिंह राजपूत,जय यादवऔर संचिता बनर्जी हैं। इनके अलावा फिल्म में शालू सिंह भी प्रमुख किरदार में नजर आने वाली हैं।

वहीं, अन्य कलाकारों में जे नीलम, संजय पांडेय, जय यादव, कंचन मिश्रा हैं। प्रदीप सिंह ने कहा, यह फिल्म हर वर्ग के दर्शकों को पसंद आएगी क्योंकि इसमें न केवल मनोरंजन है, बल्कि समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश भी दिया गया है।हमारी कोशिश है कि 'सास बहू की महाभारत' के माध्यम से पारिवारिक रिश्तों और उनके बीच के भावनात्मक उतार-चढ़ाव को दर्शकों के सामने एक नई दृष्टि से प्रस्तुत किया जाए। यह फिल्म न केवल मनोरंजन करेगी, बल्कि एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश भी देगी। हमारी पूरी टीम इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित है और हम इसे भोजपुरी सिनेमा में एक नई पहचान दिलाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

अजय कुमार झा ने बताया कि फिल्म की कहानी बिल्कुल नई और दिलचस्प है, जो दर्शकों को अपनी ओर खींचने में सक्षम होगी। विक्रांत सिंह राजपूत और संचिता बनर्जी ने भी अपने किरदारों को लेकर उत्साह व्यक्त किया। विक्रांत ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए एक खास अनुभव है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को यह बेहद पसंद आएगी। संचिता बनर्जी ने इसे अपने करियर की एक महत्वपूर्ण फिल्म बताया है।

सफारी

अभिनेता अक्षय कुमार अपनी पत्नी ट्विंकल खन्ना, बेटे आरव और बेटी नितारा के साथ गुरुवार को जयपुर के झालाना लेपर्ड सफारी का दौरा करते हुए।

शाहिद कपूर की फिल्म देवा का फर्स्ट पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेंसी

जी स्टूडियोज़ और रॉय कपूर फिल्म्स ने फिल्म 'देवा' का फर्स्ट पोस्टर रिलीज कर दिया है। एक्शन थ्रिलर फिल्म देवा का लोगों को बेसब्री से इंतजार है। मेकर्स ने लगातार अपडेटस देकर ऑडियंस की एक्साइटमेंट को बनाए रखा है। ऐसे में अब इस फिल्म से शाहिद कपूर का नया जबरदस्त लुक पोस्टर रिलीज करके मेकर्स ने एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है। देवा के नए पोस्टर में शाहिद कपूर का लुक काफी दमदार और रॉ लग रहा है। सिगरेट पीते हुए शाहिद का स्टाइल और एटीट्यूड कमाल का दिख रहा है, जिसमें पावर और रफनेस साफ झलक रही है। पोस्टर को और दमदार बनाता है बैकग्राउंड में 90 के दशक के आइकॉनिक अमिताभ बच्चन की झलक।

अरमान मलिक ने आशना श्रॉफ से शादी की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के मशहूर सिंगर अरमान मलिक ने आखिरकार अपनी गर्लफ्रेंड आशना श्रॉफ से शादी कर ली। अरमान मलिक और आशना ने गुरुवार को अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शादी की तस्वीरें शेयर की। अरमान और आशना की सगाई अगस्त 2023 में हुई थी। शादी की तस्वीरें शेयर कर दोनों ने कैप्शन में लिखा, तू ही मेरा घर। कपल तस्वीरों में बेहद ही खूबसूरत लग रहा है। आशना ने ऑरेंज शेड की लहंगा चुनरी पहन रखी है। दोनों तस्वीरों में बेहद खुश दिखाई दे रहे हैं। अरमान भी दूल्हे के परिधान में हैंडसम लग रहे हैं। बताया जा रहा है कि अरमान और आशना की शादी में करीबी परिवार और दोस्त शामिल हुए। उनकी तस्वीरों को फैंस और फॉलोअर्स काफी पसंद कर रहे हैं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। अरमान के पापा डब्बू मलिक ने भी अपना हार्ट शेप इमोजी के जरिए प्यार बरसाया है।

एक्ट्रेस प्रनूतन ने इमोजी के जरिए बधाई दी तो सोफी चौधरी अवाक रह गईं। उन्होंने लिखा, ओह माय गुडनेस! आप दोनों को बधाई। आहना कुमरा ने लिखा, बधाई हो। वहीं वरुण धवन ने भी पोस्ट को पसंद किया। अरमान और आशना ने अगस्त 2023 में सोशल मीडिया के जरिए अपनी सगाई की घोषणा की थी। तब गायक ने रोमांटिक तस्वीरों की एक सीरीज पोस्ट की थी। एक फोटो में वह हाथ में अंगूठी लिए घुटने पर बैठे नजर आ रहे थे। दूसरी तस्वीरों में जोड़े ने एक साथ शानदार पोज दिया था। अरमान ने पोस्ट को कैप्शन दिया, और हमारा हमेशा का साथ अब शुरू हुआ है।

अरमान मलिक के करियर की बात करें तो वह अपने हिट गानों जैसे वजह तुम हो, बोल दो ना जरा और बुट्टा बोम्मा के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने हाल ही में अमेरिकी गायक एड शीरन संग ब्रिटिश गायक के गाने 2 स्टेप के नए वर्जन पर काम किया है। अरमान को एक गायक, गीतकार, वॉयस-ओवर आर्टिस्ट, कलाकार और अभिनेता के रूप में उनके काम के लिए जाना जाता है। दूसरी ओर आशना श्रॉफ एक मशहूर भारतीय फैशन और ब्यूटी ब्लॉगर हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के महावीर स्वामी वर्षीतप चेरिटेबल ट्रस्ट चामराजपेट के तत्वावधान में आचार्यश्री अरुणोदयसागरसूरीश्वरजी,अरविंदसागरसूरीश्वरजी,गणिवर्यश्री अमरपद्मसागरजी, गणिवर्यश्री हीरपद्मसागरजी एवं साध्वीश्री रम्यगुणाश्रीजी की निश्रा में चार दिवसीय सोनगढ़ से शाश्वत तीर्थ शत्रुंजय गिरीराज छरी पालक यात्रा संघ का आयोजन किया गया है।

‘ज्ञान शक्ति से भी बड़ी शक्ति सहजता की शक्ति है’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में विरॉजित शिविराचार्यश्री विनयमुनिजी खींचन ने अपने प्रवचन में प्रज्ञापना सूत्र के विशेष पद का वर्णन करते हुए कहा कि इंद्रिय के आठ भेद, कान दो, आंख दो, नाक, शरीर के नीचे के भाग इस प्रकार आठ भेद बताए हैं। भगवान महावीर ने आंख और कान इन दो इंद्रियों की शक्ति को उच्च कोटि की बताई है। बिना आंख से संयम का पालन असंभव जैसा लगता है। हमारे शरीर में सर्वश्रेष्ठ आहार का भाग आंखों की शक्ति पर पहुंचता है। आंखों की शक्ति को महापुण्य का उदय बताया है। इसके बाद में इन दोनों इंद्रियों से भी ऊपर सन्नी यानी मन वाले जीव जिनके पास मन की शक्ति होती है, वह बहुत ही बड़े पुण्यवान होते हैं। वर्तमान काल में सबसे ज्यादा चोट पढ़े-लिखे लोग मन को पहुंचा रहे हैं। शांत मन, अशांत मन, चंचल मन, स्थिर मन, ऐसे मन के 2500 भेद है, इस संसार में मनुष्य के मन से ही मुक्ति प्राप्त हो सकती है। मनुष्य का मन इतना गहरा चिंतन कर सकता है जितना देवता भी नहीं कर सकते।

संतश्री ने कहा कि मन को चोट से बचाना है तो मन को बिमारियों से बचाना है तो हमें सहजता से जीना सीखना ही होगा। मानसिक नकारात्मकता से मन पल-पल में बेचैन हो जाता है। रुपया गया कुछ नहीं गया, शरीर गया कुछ गया और चरित्र गया तो सब कुछ गया। यह हमारी भारतीय और जैन धर्म का संदेश है। भगवान महावीर ने सुखी बनने के लिए संतोष, सरलता, नम्रता, करुणा, दया, संवेदना यह आवश्यक तत्व है। भोजन में जैसे अच्छे तत्व से शरीर में ताकत बनी रहती है वैसे ही उपरोक्त गुणों से आत्मा की आंतरिक शक्ति बढ़ती जाती है।

ज्ञान शक्ति से भी बड़ी शक्ति सहजता की शक्ति है। मन को पल-पल में सुखी दुखी बनाना यह मानव की सबसे बड़ी कमजोरी है। इसलिए योग प्राणायाम भाषा का कम प्रयोग, मौन रहने की कला यह सभी सहजता को बढ़ाने में सहयोग करते हैं। अच्छे लोगों की संगत हमें अच्छा बनाती है और बातूनी लोगों की संगत से हम अच्छे होकर भी हम भी बातूनी बन जाते हैं। भगवान का धर्म दुख से मुक्त करने का मार्ग है। इसलिए सहजता में जीना सीखिए। संघ प्रवक्ता प्रसन्न मांडोत ने सभी का स्वागत किया । महामंत्री संपतराज मांडोत ने आभार व्यक्त किया।

छरीपालित संघ व अन्य तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुए 351 यात्री

महावीरस्वामी वर्षीतप चेरिटेबल ट्रस्ट ने आयोजित किया यात्रा संघ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महावीर स्वामी वर्षीतप चेरिटेबल ट्रस्ट चामराजपेट के तत्वावधान में आचार्यश्री अरुणोदयसागरसूरीश्वरजी,अरविंद सागरसूरीश्वरजी,गणिवर्यश्री अमरपद्मसागरजी, गणिवर्यश्री हीरपद्मसागरजी एवं साध्वीश्री रम्यगुणाश्रीजी की निश्रा में चार दिवसीय सोनगढ़ से शाश्वत तीर्थ शत्रुंजय गिरीराज छरी पालक यात्रा संघ का आयोजन किया गया है। लाभार्थी वर्षीतप तपस्वी मंजूदेवी मदनलाल बाफना के सहयोग से बसों द्वारा तलाजा शत्रुंजय डैम तीर्थ, शंखेश्वरजी, चुली तीर्थ, पेपराल तीर्थ, भोरोल तीर्थ, भीलड़ियाजी तीर्थ, नवकार तीर्थ, छत्राल तीर्थ, मणिलक्ष्मी तीर्थ आदि 12 दिवसीय यात्रा संघ का आयोजन किया। इस यात्रा संघ में शामिल होने वाले 351 यात्रियों का यात्रा संघ बेंगलूरु से रवाना हुआ। ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर मेहता ने सभी यात्रियों का स्वागत किया। इस यात्रा संघ में मंत्री संतोष चौहान, उपाध्यक्ष गौतम मुथा, सहमंत्री महावीर श्रीश्रीमाल, सहकोषाध्यक्ष नरेश बांठिया, ट्रस्ट के प्रवीण पोरवाल सुनील गादिया, किशोर पोरवाल, महेन्द्र छाजेड़, गौतम पोरवाल, जयंतीलाल बागरेचा, उत्तम सालेचा, सुनील मोदी, मोतीलाल बाफना, प्रवेश बालर, सुरेश पिरगल, विकाश पालरेचा, विशाल पोरवाल एवं वर्षीतप ट्रस्ट के कार्यकर्ता नरेंद्र सोलंकी, महावीर गुलेच्छा, महावीर हुंडिया, महाबल भिलोश, हितेश गुलेच्छा आदि अपनी सेवाएं देंगे। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

जुलूस

पंचायती राज संस्थाओं के साधु महानिर्वाणी अखाड़ा ने प्रयागराज में महाकुंभ मेला में एक धार्मिक जुलूस में हिस्सा लिया।

हलसूर संघ के पदाधिकारियों ने साध्वीश्री शशिप्रभा से किया चातुर्मास निवेदन

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हलसूर संघ के संघ अध्यक्ष धनपतराज बोहरा के नेतृत्व में मंत्री अभयकुमार बांठिया, गौतमचंद छाजेड़, धनपतराज तातेड, सुनील कावड़िया, उगमराज मुथा आदि ने तमिलनाडु के चेंगलपेट में विराजित आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी की सुशिष्या शशिप्रभाजी के दर्शन कर उनसे वर्ष 2025 के लिए चातुर्मास हेतु निवेदन किया। बांठिया ने साध्वियों ने निवेदन किया कि उनके चातुर्मास करवाने के लिए संघ सदस्यों में विशेष उत्साह है और जयगच्छ का 62 वर्षों पश्चात अलसूर में चातुर्मास का सपना साकार होगा। साध्वीश्री शशिप्रभाजी ने कहा कि चातुर्मास स्थल का निर्णय आचार्यश्री होली चातुर्मास पर घोषणा की। इस मौके पर चेंगलपेट संघ के अध्यक्ष मोहनलाल गडवानी, तमिलनाडु जयमल जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष पारसमल गादिया ने हलसूर संघ का स्वागत किया।

तेयुप विजयनगर ने वर्ष 2025 के वार्षिक कैलेंडर का किया विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर सभागार में उपस्थित साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी व कुम्बलगुड स्थित चेतना केन्द्र सभागार में तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा प्रकाशित वर्ष 2025 के कैलेंडर का विमोचन किया गया। राजाजीनगर के विमोचन के अवसर पर अभातेयुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत, विजयनगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, राजाजीनगर सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी, तेयुप राजाजीनगर अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, विजयनगर युवक परिषद प्रबंध मंडल से विकास बांठिया व चेतना केन्द्र में गांधीनगर सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, तुलसी चेतना केंद्र अध्यक्ष अमित नाहटा, तेयुप गांधीनगर अध्यक्ष विमल धारीवाल सहित अनेक पदाधिकारियों ने विमोचन किया। कैलेंडर सहयोगी परिवार के प्रतिनिधियों का विशेष सहयोग रहा। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने साध्वियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। तेयुप अध्यक्ष ने सभी प्रायोजक परिवारों का धन्यवाद किया।

कैलेंडर के मुद्रण, संकलन में संयोजक राजेश चावत एवं सहसंयोजक श्रेयांस गोलछा का विशेष श्रम रहा।

बांग्लादेश की अदालत ने चिन्मय कृष्ण दास को जमानत देने से किया इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की एक अदालत ने हिंदू संत और इस्कॉन से जुड़े रहे चिन्मय कृष्ण दास को देशद्रोह के मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया।

संत की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान उनकी ओर से 11 वकीलों का एक समूह मौजूद था। चिन्मय कृष्ण दास डिजिटल तौर पर अदालत की कार्यवाही में शामिल हुए।

अदालत के एक अधिकारी ने कहा,''सुनवाई करीब 30 मिनट तक जारी रही, (मेट्रोपोलिटन सत्र) न्यायाधीश मोहम्मद सैफुल इस्लाम ने अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष के वकीलों की दलीलें सुनीं और फिर उनकी (दास की) जमानत याचिका खारिज कर दी।''

दास पहले इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) से जुड़े थे और अब बांग्लादेश सम्मिलिता सनातनी जागरण जोत संगठन के प्रवक्ता हैं। उन्हें 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। उन्हें चटगांव लाया गया जहां अदालत ने अगले दिन उनकी जमानत याचिका खारिज करते हुए जेल भेज दिया।

दास को बांग्लादेश के झंडे का कथित रूप से ‘अपमान’ करने के लिए राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

बचाव पक्ष के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने पत्रकारों से कहा, '' राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप निराधार है क्योंकि वह राष्ट्रीय ध्वज नहीं था। हमने अदालत से कहा कि यह मामला सुनवाई योग्य नहीं है।''दूसरी ओर सरकारी वकील मोफीजुल हक भुइयां ने कहा, '' हमने सुनवाई के दौरान जमानत का विरोध किया और अदालत ने जमानत याचिका खारिज कर दी है।''

पूर्व उप अटार्नी जनरल भट्टाचार्य, दास की ओर से उच्चतम न्यायालय के 11 वकीलों के दल का नेतृत्व कर रहे थे।

पुलिस ने अदालत परिसर के अंदर और आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की और वकीलों तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों की पहचान जांच के बाद ही उन्हें अंदर जाने दिया।

जब 26 नवंबर को दास की जमानत खारिज कर दी गई थी तो इस फैसले से हिंदू समुदाय के लोग नाराज हो गए थे और उन्होंने अदालत के बाहर जेल वैन के चारों ओर विरोध प्रदर्शन किया था, जिसके कारण हिंसक झड़पें हुईं। इसके परिणामस्वरूप वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की मौत हो गई थी।

दिमाग घुमाने वाले, खून चूसने वाले: विचित्र होने के बावजूद परजीवी पृथ्वी पर जीवन के लिए महत्वपूर्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न। परजीवी, जोंबी, जोंक - इन शब्दों का प्रयोग अक्सर लोगों का निर्दयी तरीके से वर्णन करने के लिए किया जाता है, लेकिन हममें से कई लोग पिस्सू, जूं या खटमलों का जिक्र होते ही घबरा जाते हैं। ऐसे अवांछित ''मेहमानों'' से सामना होना वास्तव में एक दुःस्वप्न हो सकता है, जो हमारे बालों, त्वचा और यहां तक कि बिस्तर तक में छुपे होते हैं।

कुछ परजीवी भयानक विकृतियां और बीमारियां पैदा करते हैं, जिससे लाखों लोग और वन्यजीव या तो विकलांग हो जाते हैं या मारे जाते हैं। वहीं, कुछ अन्य परजीवी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं या खाद्य शृंखलाओं का आधार बनते हैं। परजीवियों को अक्सर परेशानी देने वाले की तरह देखा जाता है और गलत समझा जाता है। लेकिन जितना अधिक हम इनके विकास की विचित्रताओं का अध्ययन करते हैं, उतना ही हम पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और उनके साथ हमारे जटिल संबंधों को पहचान पाते हैं। वे पृथ्वी पर जीवन के लिए आवश्यक हैं।

वन्यजीवन पर ध्यान केंद्रित करने वाले एक पारिस्थितिकीविद के रूप में, मैंने परजीवियों के प्रति अपने आकर्षण और उनके असाधारण जीवन के महत्व को साझा करने के लिए यह लेख लिखा है।

परजीवी क्या है : ये अपने भोजन, विकास और प्रजनन के लिए जीवित जीवों पर निर्भर रहते हैं। वे किसी जीव के शरीर के बाहर (बाह्य परजीवी) या अंदर (अंतः परजीवी) रह सकते हैं। बिन बुलाए मेहमान होने से कहीं ज्यादा, परजीवी आम तौर पर अपनी मर्जी से आते हैं और ''मेजबान'' के खर्च पर भोजन करते हैं, और उसके कुछ हिस्से को या पूरा खा जाते हैं।

परजीवी किसी शरीर में कम या अधिक समय तक रह सकते हैं, कुछ मामलों में कई वर्षों तक भी, और खास बात यह भी है कि ज्यादातर समय तक किसी का ध्यान इन पर नहीं जाता। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति अपने मस्तिष्क में फीता कृमि नामक परजीवी के साथ चार साल से अधिक समय तक जीवित रहा। इस परजीवी के बारे में तब पता चला, जब सिरदर्द और अन्य परेशानियां बर्दाश्त से बाहर हो गए। कई मामलों में, परजीवी जानलेवा तक साबित हो सकते हैं। फीता कृमि जैसे अंतःपरजीवी अक्सर सीधे आकार के होते हैं, जिससे वे अन्य जीवों के अंदर तंग जगहों में भी रह सकते हैं। इस तरह ये वर्षों तक भी शरीर में बने रहते हैं। दुनिया के सबसे व्यापक परजीवियों में से एक ‘टोक्सोप्लाज्मा गोंडी’ है। कुछ अनुमान बताते हैं कि हर तीन में से एक व्यक्ति इससे प्रभावित है। इस परजीवी का मुख्य रूप से निशाना बिल्लियां हैं। घरेलू बिल्लियां अक्सर इससे संक्रमित होती हैं, जिनके मल के माध्यम से ये परजीवी फैलता है।

इसके संभावित ''लाभ'' भी हैं। शोध से पता चलता है कि टोक्सोप्लाज्मा संक्रमण, जो आत्मविश्वास और जोखिम लेने की क्षमता को बढ़ा सकता है, उद्यमशीलता और व्यवसाय से संबंधित गतिविधियों में वृद्धि से भी जुड़ा हो सकता है। इसी अध्ययन में पाया गया कि जिन देशों में टोक्सोप्लाज्मा की दर अधिक है, वहां नए व्यवसाय से संबंधित विफलता के बारे में व्यक्तियों की चिंता का अनुपात कम था।

पूजा अर्चना

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को शिरडी में साईं बाबा मंदिर में पूजा-अर्चना की।

दकोरिया के राष्ट्रपति ने समर्थकों को जारी किया संदेश, देशविरोधी ताकतों के खिलाफ अंत तक लड़ने का प्रण

सियोल/एपी। महाभियोग का सामना कर रहे दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक येओल ने राजधानी सियोल में अपने आवास के बाहर एकत्र समर्थकों के लिए एक बयान जारी किया जिसमें ''देश विरोधी ताकतों के खिलाफ अंत तक लड़ने'' का आह्वान किया गया है। येओल ने यह बयान ऐसे वक्त जारी किया है जब कानून प्रवर्तन अधिकारी उन्हें हिरासत में लेने की तैयारी में है। दरअसल येओल ने एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए तीन दिसंबर को देश में ‘मार्शल लॉ’ लगा दिया था, हालांकि यह ज्यादा देर प्रभावी नहीं रहा लेकिन इसके बाद देश में येओल के खिलाफ माहौल बन गया और सांसद उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही प्रारंभ करने की मांग करने लगे। उसके बाद येओल महाभियोग का सामना कर रहे हैं।

हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को जमानत देने से इनकार करना ‘दुखद’ : इस्कॉन

कोलकाता/भाषा। कोलकाता स्थित अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) ने बृहस्पतिवार को पड़ोसी देश बांग्लादेश की एक अदालत द्वारा देशद्रोह के मामले में हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास को जमानत देने से इनकार किए जाने को ‘दुखद’ करार दिया। कोलकाता इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास ने कहा कि मामले की सुनवाई का एकमात्र सकारात्मक पक्ष यह था कि हिंदू संत का प्रतिनिधित्व वकीलों द्वारा किया गया, जो बांग्लादेश की अदालत के समक्ष मामले की पिछली सुनवाई में नहीं किया जा सका था।

राधारमण दास ने कहा, यह दुखद है कि उनकी जमानत याचिका को अस्वीकार कर दिया गया। हमें उम्मीद थी कि नव वर्ष में उन्हें रिहा कर दिया जाएगा। बांग्लादेश की एक अदालत ने देशद्रोह के एक मामले में इस्कॉन के पूर्व संत चिन्मय कृष्ण दास को बृहस्पतिवार को जमानत देने से इनकार कर दिया। प्रवक्ता ने कहा कि चिन्मय कृष्ण दास के वकील बांग्लादेश की उच्च अदालत में अपील करने पर विचार कर रहे होंगे। उन्होंने कहा कि चिन्मय दास की तबीयत भी खराब बताई जा रही है। दास ने कहा, हमें उम्मीद थी कि इस आधार पर और चूंकि वह पिछले 40 दिन से जेल में हैं इसलिए अदालत उन्हें जमानत दे देगी। इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता ने बुधवार को कहा था कि अगर बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास के लिए अदालत में पेश होने वाले किसी भी वकील की पिटाई या फिर उन्हें धमकी दी जाती है, तो अंतरिम सरकार को कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए।

स्वागत

महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन गुरुवार को मुंबई के गोरेगांव में राज्य रिजर्व पुलिस बल ग्राउंड में महाराष्ट्र पुलिस द्वारा आयोजित महाराष्ट्र पुलिस स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com